रोहतक
रविवार 28 जून 2026
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी वर्ष : 30, अंक : 144
पृष्ठ 14 मूल्य 3.00

मौसम हरियाणा
अधि. 43.0°C
न्यून. 26.0°C

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

07 फीफा वर्ल्ड कप: डेम्बेले ने रचा इतिहास
फ्रांस की नॉर्वे पर 4-1 से धमाकेदार जीत

खबर संक्षेप

6.2 तीव्रता के भूकंप से कांपा अफगानिस्तान एनसीआर में दिखा असर

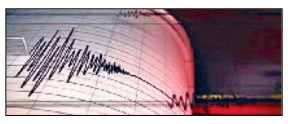

श्रीनगर। अफगानिस्तान के हिंदूकुश क्षेत्र में शनिवार शाम 7.04 बजे 6.2 तीव्रता का भूकंप आया। इसका असर अफगानिस्तान समेत 8 देश भारत, पाकिस्तान, चीन, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान और तुर्कमेनिस्तान में देखा गया। देश में जम्मू-कश्मीर और दिल्ली-एनसीआर में भी झटके महसूस किए गए। लोग घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। इसका केंद्र उत्तर-पूर्वी अफगानिस्तान में कलाफगान से करीब 81 किलोमीटर दूर था और गहराई 215 किमी थी। *एजेंसी*

अगले साल भारत आ सकते हैं डोनाल्ड ट्रंप

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप साल 2027 की शुरुआत में भारत आ सकते हैं।

व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने ये बयान दिया। ये ट्रंप की राष्ट्रपति रहते हुए दूसरी भारत यात्रा हो सकती है। इससे पहले ट्रंप साल 2020 में पहली बार भारत यात्रा पर आए थे। रूबियो से पूछा गया कि वे भारत की प्रगति, विकास और वैश्विक स्तर पर प्रधानमंत्री मोदी की भूमिका को कैसे देखते हैं, तो उन्होंने कहा, 'हम पीएम मोदी और उनके द्वारा किए गए कार्यों के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। *एजेंसी*

एसआईटी की बड़ी कार्रवाई, डीएफएससी, आढ़ती और मिलर पर शिकंजा

करनाल में 35 करोड़ का धान घोटाला, 2.47 करोड़ बरामद

गेटपास, कम स्टाफ और मिलीभगत से सरकारी धान में किया गबन

मिल मालिक के घर से बरामद हुई रकम, आरोपी को जेल भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

करनाल में बड़े धान घोटाले का खुलासा हुआ है। करीब 35 करोड़ रुपये के इस घोटाले में एसआईटी ने जांच तेज करते हुए कई अहम गिरफ्तारियां की हैं। जांच के दौरान फर्जी गेटपास, कम स्टॉक और मिलीभगत के जरिए सरकारी धान के गबन का खुलासा हुआ है। पुलिस ने एक ओर जहां बड़ी रकम की रिकवरी की है, वहीं जुड़े अधिकारियों, आढ़तियों और मिलरों पर लगातार कार्रवाई जारी है। जांच के दायरे में आए तत्कालीन जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक अनिल कुमार को एसआईटी ने हिरासत में लेकर पूछताछ की। हालांकि हाईकोर्ट के आदेश के चलते उन्हें जांच में शामिल कर छोड़ दिया गया। जांच में सामने आया कि धान घोटाले के दौरान हुई लेनदेन में उनका भी हिस्सा होने के संकेत मिले हैं। इसी आधार पर उनसे पूछताछ की गई।

मिलर से 2.47 करोड़ की रिकवरी, जेल भेजा

बुटाना थाना क्षेत्र के शेखपुरा खालसा स्थित यूनाइटेड फूड राइस मिल में 2.61 करोड़ रुपये के करीब 1000 टन धान के गबन का मामला सामने आया था। इस मामले में मिल मालिक नसीब सिंह और उनकी पत्नी संतोष के खिलाफ केस दर्ज हुआ था। शुक्रवार को गिरफ्तार किए गए नसीब सिंह से पुलिस ने 2.47 करोड़ रुपये की रिकवरी करवाई, जिसे विभाग में जमा करा दिया गया। इसके बाद आरोपी को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इसे अब तक की सबसे बड़ी बरामदगी माना जा रहा है।

निरीक्षक की गिरफ्तारी से खुली परतें

मामले की जांच एसआईटी को सौंपी गई थी। जांच के दौरान खाद्य आपूर्ति विभाग के निरीक्षक रणधीर को गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ में उसने बताया कि गबन की रकम में से हिस्सा तत्कालीन डीएफएससी तक भी पहुंचा था। इसी खुलासे के बाद जांच का दायरा और बढ़ा और कई अन्य नाम सामने आए।

स्टॉक जांच में सामने आई भारी कमी

27 अक्तूबर को सांभली स्थित बीआरसी ओवरसीज में धान के स्टॉक की जांच की गई थी। जांच में 59049 बोरी धान यानी 2538.720 मीट्रिक टन और 1742 मीट्रिक टन चावल मिला, जो 2600 मीट्रिक टन धान के बराबर था। जबकि रिकॉर्ड में 159833 बोरी धान दिखाया गया था। इस तरह करीब 855 मीट्रिक टन धान की कमी पाई गई। इस मामले में 6 फरवरी को खाद्य आपूर्ति निरीक्षक देवेंद्र को गिरफ्तार किया गया था।

तरावड़ी मंडी में फर्जी गेटपास का खेल

तरावड़ी थाना में दर्ज मामले में कृष्ण पाल सुमित कुमार फर्म के आढ़ती सुमित शर्मा को गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि आरोपी ने बिना धान भेजे ही फर्जी गेटपास के जरिए मंडी से मिल में धान भेजा दिखाया। पुलिस ने आरोपी से संबंधित पूरा रिकॉर्ड बरामद कर लिया है और उसे अदालत में पेश कर जेल भेज दिया गया।

करनाल मंडी में भी फर्जीवाड़ा आढ़ती गिरफ्तार

नई अनाज मंडी करनाल में हुए फर्जी गेटपास मामले में जसविंद्र सिंह मुल्तान सिंह फर्म के आढ़ती जसविंद्र सिंह को भी गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने मंडी में धान आए बिना ही गेटपास कटवाए। इस काम में तत्कालीन सचिव आशा रानी, मंडी सुपरवाइजर पंकज तुली और ऑक्शन रिकॉर्डर यशपाल की मिलीभगत सामने आई है।

हादसों के एक्सप्रेस-वे

2 दिन में 3 बड़े एक्सीडेंट, 10 मरे

हरिभूमि टीम (हरियाणा)। देश में बन रहे एक्सप्रेस-वे अब हादसों के एक्सप्रेस-वे साबित हो रहे हैं। हरियाणा में दो दिन में तीन सड़क हादसों में 10 लोगों की मौत हो चुकी है। शनिवार को जुलाना राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 152डी पर खाटू श्याम जा रहे श्रद्धालुओं की कार को पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं दूसरे हादसे में केएमपी एक्सप्रेसवे पर एक स्विफ्ट कार आगे चल रहे ईंटों से भरे ट्रक से जा टकराई। इसमें पति-पत्नी और बेटी की मौत हो गई। वहीं, शुक्रवार को देहरादून-पंचकूला हाइवे पर सहारनपुर में सोनीपत के एक ही परिवार के चार लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई थी।

152डी पर कार-ट्रक की टक्कर, तीन की जान गई

जुलाना (हरिभूमि न्यूज)। जुलाना राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 152डी पर लजवाना कलां गांव के पास शनिवार सुबह खाटू श्याम मंदिर के दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं की कार को पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में एक महिला सहित तीन श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। लजवाना कलां गांव के पास अचानक कार के सामने कुत्ता आ गया। उसे बचाने के प्रयास में कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद सभी श्रद्धालु कार से उतर कर वाहन की स्थिति देखने लगे। इसी दौरान पीछे से तेज गति से आ रहे एक ट्रक ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में करनाल निवासी 45 वर्षीय धर्मपाल, 50 वर्षीय राजकुमार और 40 वर्षीय स्वीटी की मौके पर ही मौत हो गई।

खाटू श्याम दर्शन करने जा रहे थे श्रद्धालु

केएमपी पर हादसे में पति पत्नी और बेटी की मौत

सोनीपत (हरिभूमि न्यूज)। खरखौदा क्षेत्र में केएमपी (कुंडली-मानेसर-पलवल) एक्सप्रेसवे पर शनिवार शाम एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा गांव पीपली के पास उस समय हुआ, जब मेरठ (उत्तर प्रदेश) से कलायत (कैथल) जा रही एक स्विफ्ट कार आगे चल रहे ईंटों से भरे ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार पति-पत्नी व उनकी बेटी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में कार ड्राइवर पवन पुत्र देवकीनंदन, उसकी पत्नी शकुंतला निवासी मेरठ (उत्तर प्रदेश) तथा उनकी बेटी अंजू निवासी दिल्ली की मौके पर ही मौत हो गई। बताया गया कि शकुंतला का मायका कलायत (कैथल) में है और पूरा परिवार वहीं जा रहा था।

मेरठ से कैथल आ रहा था परिवार

आशा पोस्ट के पास धमाका, जांच जारी

गुलमर्ग में ब्लास्ट, एक पोर्टर की मौत, चार अन्य घायल

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में शनिवार को धमाके में एक पोर्टर की मौत हो गई, जबकि चार अन्य के घायल होने की खबर है। घटना गुलमर्ग थाना क्षेत्र के आशा पोस्ट के पास सुमली वाली ढोक इलाके में हुई। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान जुबैर अहमद बजाद के रूप में हुई है। वह बारामूला जिले के चंदूसा के गलीबल गांव का रहने वाला था। घटना में घायल 4 लोगों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। फिलहाल उनकी पहचान और चोटों की गंभीरता की जानकारी सामने नहीं आई है। धमाके की सूचना मिलते ही पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं और जांच शुरू कर दी। अधिकारियों का कहना है कि धमाके की असली वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। फॉरेंसिक टीम भी मौके से साक्ष्य जुटा रही है।

मृतक चंदूसा के गलीबल गांव का रहने वाला

दोनों देशों के बीच फिर बढ़ा तनाव

अमेरिका ने ईरान के मिसाइल ड्रोन ठिकानों पर हमला किया

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका ने ईरान पर करीब एक घंटे तक हमले किए। अमेरिकी सेना ने मिसाइल-ड्रोन ठिकानों और तटीय रडार साइट्स को निशाना बनाया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान ने सीजफायर तोड़ा, इसलिए जवाबी कार्रवाई की गई। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, 25 जून को ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में सिंगापुर के कार्गो शिप 'एमवी एवर लवली' पर ड्रोन हमला किया था। दूसरी ओर, ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी आईआरएनए के मुताबिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स की नौसेना ने दावा किया है कि उसने जवाब में क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। ईरान की संसद के सदस्य इब्राहिम अजीजी ने एक्स पर लिखा कि अमेरिका ने एक बार फिर बातचीत के बीच ईरान पर हमला किया है।

ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों को बनाया निशाना

उत्तराखंड के चमोली में बादल फटा, मध्यप्रदेश झारखंड में आंधी-बिजली से 16 लोगों की मौत

22 राज्यों में पहुंचा मानसून, 5 जुलाई तक बाकी राज्यों को कर लेगा कवर

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के चमोली जिले में शुक्रवार को तेज बारिश के बाद बादल फट गया। इससे इलाके के कई घरों और दुकानों में मलबा घुस गया। कई गाड़ियां भी मलबे में फंस गईं। इधर, मध्य प्रदेश के बालाघाट में बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई। वहीं, देवास में आंधी-बारिश से मकान की बालकनी का हिस्सा गिर गया, इस हादसे में 2 महिलाओं की मौत हो गई। झारखंड में भी बिजली गिरने से 10 और छत्तीसगढ़ में दो लोगों की मौत हो गई। मानसून ने देश के 22 राज्यों को कवर कर लिया है। 5 जुलाई तक बाकी राज्यों को कवर कर सकता है। यूपी में मानसून 8 दिन लेट है। यह आमतौर पर 20 जून तक आ जाता है लेकिन इस बार 15 दिनों से बिहार बॉर्डर पर रुका हुआ है। यह अगले 2 दिन में बिहार बॉर्डर से प्रदेश में एंट्री कर सकता है।

हरियाणा के तीन जिलों में बारिश

हरियाणा में भीषण गर्मी के बाद शनिवार दोपहर अचानक बारिश हुई। फरीदाबाद, पलवल, पानीपत में बारिश हुई। नारनौल, रेवाड़ी में बादल छाए हैं। मौसम विभाग ने प्रदेश के पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर में बारिश का अलर्ट जारी किया है। अगले 2 दिनों में भी प्रदेश के कई जिलों में आंधी-बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इसके साथ ही 60 किमी की रफ्तार से हवाएं चल सकती है। राजस्थान से सटे इलाकों में सुबह भी बादल छाए रहे।

परीक्षा स्थगित, एसआईटी गठित

महाराष्ट्र में टीईटी का पेपर लीक, दो बिहार व एक हरियाणा का युवक काबू

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) का पेपर करीब 24 घंटे पहले लीक हो गया। एग्जाम रविवार को होना था। महाराष्ट्र स्टेट एग्जामिनेशन काउंसिल ने इसके बाद परीक्षा स्थगित कर दी है। नई तारीखों का ऐलान बाद में किया जाएगा। पुलिस के मुताबिक, पेपर लीक की सूचना के बाद ठाणे के भिवंडी इलाकों के कई जगहों पर छापेमारी की। परीक्षा में 4.28 लाख ज्यादा उम्मीदवार शामिल होने वाले थे। महाराष्ट्र में टीचर बनने के लिए या जो पहले से सरकारी टीचर हैं, उनके लिए भी टीईटी कंपलसरी है। ठाणे के एडिशनल कमिश्नर अशोक दुधे ने कहा कि शनिवार सुबह हमें गुप्त सूचना मिली कि कुछ लोग परीक्षा का प्रश्न पत्र बेचने के लिए भिवंडी आ रहे हैं। एक टीम को तैनात किया गया और पता चला कि तीन लोग आए हैं। तलाशी के दौरान परीक्षा से जुड़े पेपर बरामद हुए। उन लोगों को हिरासत में ले लिया गया और साथ ही उनके पास मिले डेबिट और क्रेडिट कार्ड ज़ब्त कर लिए गए। तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। वे दिल्ली से आए थे, आरोपियों में से दो बिहार के हैं और एक हरियाणा का है। एक एसआईटी बनाई गई है और टीमों को अलग-अलग राज्यों में भेजा गया है।

सरकार ने परीक्षा रद्द की, पेपर ठाणे से बरामद, आरोपियों पर मकोका लगाया

चूहे मारने की दवा मिलाई

मुहर्रम जुलूस में जहर के कैप्सूल लेकर पहुंचा शख्स

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस ने एक शख्स को चूहे मारने वाले जहर से भरे 14,900 कैप्सूल के साथ गिरफ्तार किया है। वह बायकुला के मुहर्रम जुलूस में कैप्सूल बांटने के लिए घूम रहा था। वह लोगों को बता रहा था कि यह हर प्रकार के दर्द को जड़ से खत्म करने की दवा है। इसी जुलूस में एक शख्स का पेट दर्द और उल्टी होने लगी। पूछताछ में शख्स ने बताया कि उसने एक व्यक्ति से कैप्सूल लेकर खाया था। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी फैयाज प्रेमजी पुणे का रहने वाला है।

■ दर्द खत्म करने की दवा बताकर बेचना चाहा

प्रेमिका पर चाकू से हमला कर जबरन ले जा रहा था अपने गांव

शादी से इनकार पर सनकी प्रेमी का खौफनाक कदम, कार में विस्फोट के बाद जिंदा जला

बेंगलुरु/तुमकुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के तुमकुरु जिले में शनिवार को प्रेम संबंधों में विवाद ने एक दर्दनाक और सनसनीखेज मोड़ ले लिया। शादी से इनकार करने पर कथित तौर पर एक युवक ने अपनी प्रेमिका पर चाकू से हमला किया और उसे जबरन अपने साथ ले जाने की कोशिश की। रास्ते में पुलिस की कार्रवाई की भनक लगने पर कार में विस्फोट हो गया, जिसमें युवक की जलकर मौत हो गई। युवती और कैब चालक समय रहते वाहन से बाहर निकल आए, जिससे उनकी जान बच गई। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान उत्तर कन्नड़ जिले के अंकोला निवासी 30 वर्षीय नागेंद्र के रूप में हुई है। वह पिछले छह वर्षों से बेंगलुरु में रहने वाली राम्या के साथ संबंध में था। पुलिस का कहना है कि नागेंद्र लगातार राम्या पर शादी का दबाव बना रहा था, लेकिन राम्या ने कथित तौर पर शादी से इनकार कर दिया था। पिछले करीब छह महीनों से उसने नागेंद्र से दूरी बना ली थी और उसका फोन नंबर भी ब्लॉक कर दिया था।

बोला, अब दोनों साथ मरेंगे

जांच के अनुसार यात्रा के दौरान नागेंद्र को चालक और पुलिस के बीच हुई बातचीत का पता चल गया। इसके बाद वह कथित तौर पर बेहद आक्रोशित हो गया। उसने राम्या पर चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया और कहा कि अब दोनों साथ मरेंगे। इसी बीच चालक ने तुरंत कार रोक दी, जिससे राम्या और चालक बाहर निकलने में सफल रहे। कुछ ही क्षण बाद कार में जोरदार विस्फोट हुआ और वाहन आग की लपटों में घिर गया। नागेंद्र कार के अंदर ही फंस गया और उसकी मौके पर ही जलकर मौत हो गई। घायल राम्या को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक | India Post Payments Bank
[भारत सरकार का उपक्रम | A Govt. of India undertaking]

TRUSTED BY 13 CRORE ACCOUNT HOLDERS

डाकघर योजनाओं में भुगतान सुविधा, अब आपके पॉकेट में

आईपीपीबी मोबाइल बैंकिंग एप
से करें सुकन्या समृद्धि खाते, पीपीएफ, आरडी/एलएआरडी, पीएलआई/आरपीएलआई का भुगतान

अब लाइन में खड़े होने की जरूरत नहीं। अपने आईपीपीबी मोबाइल ऐप से तुरंत, सुरक्षित और आरामदायक तरीके से करें डाकघर योजनाओं का भुगतान।

SSA में सुविधाजनक जमा | RD/LARD किश्त का समय पर भुगतान | PPF में नियमित निवेश का भुगतान | PLI/RPLI प्रीमियम आसानी से रिन्यू करें | घर बैठे आसानी से करें भुगतान | PLI/RPLI प्रीमियम के लिए ऑटो-पे सुविधा

कॉल करें 155299/ 033-22029000 | अधिक जानकारी हेतु हमारी वेबसाइट देखें:
https://ippbonline.bank.in/en/web/ippb/dop-product-payment
@ippbonline | India Post Payments Bank | www.ippbonline.bank.in
कृप्या उत्पादों और सेवाओं के नियम और शर्तें www.ippbonline.bank.in पर पढ़ें या अधिक विवरण के लिए निकटतम आईपीपीबी बैंकिंग आउटलेट पर जाएं। नियम एवं शर्तें लागू।

डाउनलोड करने के लिए QR कोड स्कैन करें।
IPPB Mobile Banking App

खबर संक्षेप

समग्र स्वास्थ्य व्यवस्था अपनाने पर दिया जोर

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में समग्र दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए 'पूरे राष्ट्र की स्वास्थ्य व्यवस्था' विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए जिसमें डॉक्टर, नीति-निर्माता, शोधकर्ता और उद्योग जगत मिलकर कार्य करें, ताकि हर नागरिक को सुलभ, किफायती, नैतिक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें। नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के नौवें संस्करण को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि भारत ने चिकित्सा प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन अभी भी ग्रामीण स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की आवश्यकता है।

एचपीएससी की तानाशाही सहन नहीं करेंगे : सकसं

चंडीगढ़। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की राज्य कमेटी की ऑनलाइन बैठक राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में महासचिव कृष्ण नैन, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र यादव, वरिष्ठ उपप्रधान जरनैल सिंह, उपमहासचिव संदीप सांगवान, प्रचार सचिव गुलशन भारद्वाज, संगठन सचिव जयवीर चहल तथा ऑडिटर मुकेश खरब सहित राज्य पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) के विरुद्ध पिछले छह माह से शांतिपूर्ण ढंग से धरना दे रहे अभ्यर्थियों पर प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा हमला और सरकार की तानाशाहीपूर्ण कार्यशैली का परिचायक बताया।

कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी : सैलजा

चंडीगढ़। पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद सैलजा ने कहा कि हरियाणा में कानून व्यवस्था की स्थिति लगातार बद से बदतर होती जा रही है। अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि अब वे जनप्रतिनिधियों को भी खुलेआम जान से मारने की धमकियां देने लगे हैं। सैलजा ने कहा कि कुछ दिन पहले महम से कांग्रेस विधायक बलराम दांगी के कार्यालय के बाहर फायरिंग की घटना हुई थी और अब उन्हें 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगते हुए जान से मारने की धमकी दी गई है। इस घटना ने कानून व्यवस्था की पोल खोल दी है।

सफाई, स्वास्थ्य और सुशासन पर मुख्यमंत्री नायब सख्त

30 जून तक नालों और ड्रेनों की सफाई के आदेश, वार्डों की होगी स्वच्छता रैंकिंग

अस्पतालों को डिजिटल हेल्थ सिस्टम से जोड़ने तथा सभी विभागों में ई-ऑफिस व्यवस्था लागू करने के निर्देश

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बरसात से पहले 30 जून तक सभी बड़े नालों, नालियों और ड्रेनों की सफाई हर हाल में पूरी की जाए। उन्होंने नगर निकायों में स्वच्छता व्यवस्था को और मजबूत करने, वार्डों की रैंकिंग शुरू करने, सरकारी अस्पतालों को डिजिटल हेल्थ सिस्टम से जोड़ने तथा सभी विभागों में ई-ऑफिस व्यवस्था अनिवार्य रूप से लागू करने के निर्देश दिए।

हरियाणा निवास में मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगियों (सीएमजीजीए) और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, मानव संसाधन विकास, जल प्रबंधन, नई शिक्षा नीति और आयुष्मान भारत योजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक घर से नियमित कचरा उठान सुनिश्चित किया जाए और सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी किसी भी स्थिति में न रहने दी जाए। कचरा संग्रहण करने वाले सभी वाहनों को जीपीएस से जोड़ने तथा आधुनिक तकनीक का उपयोग बढ़ाने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर निगम आयुक्त त्रैमासिक आधार पर शहरी स्थानीय निकायों की स्वच्छता और कार्यप्रणाली की रैंकिंग करें। प्रत्येक नगर निगम अपने वार्डों की भी रैंकिंग तैयार करे और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वार्डों तथा सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया जाए। उन्होंने 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले स्वच्छता पखवाड़े की तैयारियां अभी से शुरू करने को कहा।

मरीजों का मेडिकल रिकॉर्ड ऑनलाइन करें

बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी विभागों के मुख्यालयों और जिला कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली अनिवार्य रूप से लागू करने तथा सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को हर माह एचआरएमएस पोर्टल पर अपने कार्यों का विवरण दर्ज करने के निर्देश दिए। सीएफएमएस से जुड़े लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण और इंट्रा हरियाणा पोर्टल के प्रभावी उपयोग पर भी जोर दिया। आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने सरकारी अस्पतालों की क्षमता बढ़ाने, स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण, मरीजों के मेडिकल रिकॉर्ड को ऑनलाइन उपलब्ध कराने तथा योजना से वंचित पात्र लाभार्थियों को शीघ्र जोड़ने के निर्देश दिए

खस्ताहाल स्कूल गिराकर बनेंगे वर्टिकल भवन

■ गर्मी की छुट्टियों के बाद जर्जर इमारतों में नहीं लगेंगी कक्षाएं

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के सरकारी स्कूलों की जर्जर इमारतों को गिराकर उनकी जगह आधुनिक वर्टिकल भवन बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि नई इमारतें आकर्षक और बहुमंजिला हों, ताकि बची हुई जमीन का उपयोग बच्चों के खेल मैदान के रूप में किया जा सके। शनिवार को हरियाणा निवास में मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगियों (सीएमजीजीए) और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि गर्मी की छुट्टियों के बाद किसी भी जर्जर स्कूल भवन में बच्चों की कक्षाएं नहीं लगनी चाहिए। ऐसे स्कूलों के विद्यार्थियों को अस्थायी रूप से नजदीकी सरकारी भवनों या अन्य सरकारी स्कूलों में स्थानांतरित किया जाए। साथ ही नए भवनों के निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया जल्द शुरू करने को कहा। मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि सभी सरकारी स्कूलों में विज्ञान और कंप्यूटर लैब सहित अन्य सुविधाएं सुचारू रूप से संचालित रहें। स्कूलों में ड्यूल डेस्क जल्द उपलब्ध कराए जाएं तथा पुराने कंप्यूटर और अनुपयोगी उपकरणों की एक माह के भीतर नीलामी प्रक्रिया पूरी की जाए। बैठक में सीएमजीजीए की निरीक्षण रिपोर्ट भी रखी गई।

नायब सिंह सैनी के प्रयास रंग लाए

उत्तराखंड प्रशासन व निहंगों के बीच चल रहा विवाद सुलझा

■ चारों निहंगों को जमानत मिली, संगठनों पंजाब से प्रस्तावित कूच टला

चंडीगढ़। उत्तराखंड के कर्णप्रयाग में निहंगों और स्थानीय लोगों के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद पैदा हुआ विवाद शनिवार को सुलझ गया। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के हस्तक्षेप के बाद दोनों पक्षों के बीच गतिरोध समाप्त हुआ और गिरफ्तार चारों निहंगों को जमानत मिल गई। जानकारी के अनुसार, निहंगों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात कर मामले में हस्तक्षेप की मांग की थी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने अपने राजनीतिक सलाहकार तरुण भंडारी को उत्तराखंड सरकार से समन्वय की जिम्मेदारी सौंपी। शनिवार को भंडारी ने पांवटा साहिब पहुंचकर निहंग प्रतिनिधियों और अधिकारियों से बातचीत की, जिसके बाद समाधान का रास्ता निकला। तरुण भंडारी ने बताया कि शुक्रवार देर रात चंडीगढ़ स्थित मुख्यमंत्री आवास पर निहंग प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई थी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर उत्तराखंड प्रशासन से बातचीत की गई और सहमति बनी कि गिरफ्तार चारों निहंगों को जमानत पर रिहा किया जाएगा। इसके बाद निहंगों ने भी आंदोलन आगे नहीं बढ़ाने पर सहमति जताई। गौरतलब है कि 16 जून को चमोली जिले के कर्णप्रयाग बाजार में हेमकुंड साहिब यात्रा से लौट रहे निहंगों के एक जत्थे की बाइक एक कार से टकरा गई थी। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। पुलिस ने चार निहंगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ हत्या के प्रयास समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया था। गिरफ्तारी के विरोध में कुछ निहंगों ने गुरुद्वारे पर कब्जा कर लिया था, जबकि पंजाब से बड़ी संख्या में निहंगों ने उत्तराखंड कूच का ऐलान किया था। हालांकि उन्हें हिमाचल प्रदेश के पांवटा साहिब में ही रोक दिया गया। शनिवार को वार्ता सफल होने और चारों आरोपितों को जमानत मिल गई।

फरीदाबाद में दीवार गिरी, महिला समेत 5 बच्चियां दबीं, एक की मौत

बिल्डिंग मेटेरियल के प्लॉट से बालू हटाने के दौरान हादसा

फरीदाबाद। पर्वतीय पुलिस चौकी क्षेत्र की पर्वतीय कॉलोनी स्थित गंगा एन्क्लेव पार्ट-2 में शनिवार शाम एक हादसा हो गया। बिल्डिंग मेटेरियल के एक प्लॉट में जेसीबी की मदद से बालू को एक तरफ करते समय दीवार पर बालू का अत्यधिक दबाव पड़ गया। दबाव बढ़ने से करीब 15 फुट ऊंची दीवार अचानक गली की ओर भरभराकर गिर गई। दीवार के साथ भारी मात्रा में बालू भी गली में आ गिरा, जिसकी चपेट में वहां से गुजर रही एक महिला और चार बच्चियां दब गईं। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू कर सभी घायलों को मलबे से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। घटना में एक बच्ची की मौत की सूचना है, जबकि अन्य घायलों का इलाज जारी है। बिल्डिंग मटेरियल प्लॉट में चल रहा था काम स्थानीय निवासी ओम दत्त शर्मा ने

बताया कि हादसा शाम करीब छह बजे हुआ। उनके अनुसार रोहतास नाम के व्यक्ति के बिल्डिंग मटेरियल प्लॉट में जेसीबी की मदद से बालू को एक तरफ किया जा रहा था। इसी दौरान बालू का भारी दबाव प्लॉट की दीवार पर पड़ गया। दबाव इतना अधिक था कि करीब 15 फुट लंबी दीवार अचानक गली की ओर गिर गई। दीवार के साथ बड़ी मात्रा में बालू भी बाहर आ गया, जिससे गली से गुजर रही एक महिला और चार बच्चियां उसके नीचे दब गईं। हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। लोगों ने बिना किसी देरी के अपने स्तर पर मलबा हटाना शुरू किया और काफी मशक्कत के बाद सभी घायलों को बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें तुरंत एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

50 हजार रुपये की रिश्वत लेते एसटीएफ का सब-इंस्पेक्टर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसवी एंड एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) अंबाला में तैनात सब-इंस्पेक्टर रोहित रोहिल्ला को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। ब्यूरो के अनुसार शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उसके खिलाफ मिली शिकायत पर एफआईआर दर्ज नहीं करने के बदले सब-इंस्पेक्टर 50 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा था। शिकायत का सत्यापन करने के बाद सिरसा इकाई की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप लगाया और आरोपी को रिश्वत की रकम स्वीकार करते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया।

आरोपी पर केस दर्ज : आरोपी के खिलाफ राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो थाना, अंबाला में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा-7 के तहत मामला दर्ज किया गया है। ब्यूरो का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

■ एफआईआर दर्ज नहीं करने के बदले मांगी थी रकम, विजिलेंस ने ट्रैप लगाकर रंगे हाथ दबोचा

वहीं ब्यूरो ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई सरकारी अधिकारी या कर्मचारी किसी सरकारी कार्य के बदले रिश्वत मांगता है तो उसकी शिकायत तुरंत ब्यूरो से करें। शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाती है।

सेवानिवृत्त कर्मियों की बढ़ेगी पेंशन

■ 1 मई 2023 से पहले का एरियर नहीं मिलेगा

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने 19 जुलाई 2016 से पहले सेवानिवृत्त उन कर्मचारियों की पेंशन के पुनर्निर्धारण का रास्ता साफ कर दिया है, जिन्हें काल्पनिक (नोटशनल) वेतनवृद्धि का लाभ मिला है। हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया है कि पेंशन का पुनर्निर्धारण होने के बावजूद एक मई 2023 से पहले की बकाया राशि (एरियर) का भुगतान नहीं किया जाएगा। वित्त विभाग ने इस संबंध में सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, मंडलायुक्तों, उपायुक्तों, एसडीएम तथा पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार को निर्देश जारी किए हैं। विभाग के अनुसार, काल्पनिक वेतनवृद्धि प्राप्त करने वाले पेंशनभोगियों के कई मामले प्रशासनिक विभागों के माध्यम से वित्त विभाग को भेजे जा रहे थे, जिनमें पेंशन निर्धारण के लिए नियमों में छूट मांगी गई थी। वित्त विभाग ने निर्धारित शर्तों के साथ ऐसे मामलों में पेंशन के पुनर्निर्धारण की अनुमति दे दी है। साथ ही निर्देश दिए हैं कि यह छूट केवल पेंशन पुनर्निर्धारण तक सीमित रहेगी और एक मई 2023 से पहले की बकाया पेंशन का भुगतान नहीं किया जाएगा। अन्य मामलों में पूर्व की तरह वित्त विभाग से मंजूरी लेना अनिवार्य होगा।

कैप्टन की मौत पर पिता को पूरी क्षतिपूर्ति मिलेगी

60 लाख की ग्रुप इंश्योरेंस राशि नहीं कटेगी: हाईकोर्ट

चंडीगढ़। हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि समूह बीमा योजना (ग्रुप इंश्योरेंस स्कीम) के तहत मृतक कर्मचारी के परिवार को मिलने वाली राशि को मोटर दुर्घटना मुआवजे से नहीं घटाया जा सकता। अदालत ने कहा कि यह राशि बीमा प्रीमियम के बदले प्राप्त होने वाला स्वतंत्र लाभ है, न कि सरकारी सेवा नियमों के तहत मिलने वाली वित्तीय सहायता। जस्टिस पंकज जैन ने यह फैसला परमोद कुमार की अपील स्वीकार करते हुए सुनाया। परमोद कुमार के 25 वर्षीय पुत्र कैप्टन अमित चौहान की 13 सितंबर 2016 को सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। उस समय वह भारतीय सेना में कैप्टन के पद पर कार्यरत थे। कुरुक्षेत्र के मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण (एमएसीटी) ने मृतक की आय, भविष्य की संभावनाओं और अन्य पहलुओं को ध्यान में रखते हुए कुल 98 लाख 43 हजार 300 रुपये का मुआवजा निर्धारित किया था। हाईकोर्ट ने उसे पलट दिया।

एमपीएचडब्ल्यू कर्मचारियों का 5 को प्रदर्शन

चंडीगढ़। बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी (एमपीएचडब्ल्यू) एसोसिएशन ने लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ आंदोलन तेज करने का ऐलान किया है। एसोसिएशन ने घोषणा की है कि आगामी 5 जुलाई को प्रदेशभर के करीब 8 हजार कर्मचारी पंचकूला स्थित स्वास्थ्य मंत्री के रामपुरा हाउस आवास पर प्रदर्शन करेंगे। एसोसिएशन की प्रदेश अध्यक्ष शर्मिला देवी, महासचिव सहदेव आर्य और प्रवक्ता संदीप कुंडू ने बताया कि हाल ही में प्रदेश के 16 जिलों में किए गए दौरे के दौरान कर्मचारियों में सरकार और विभाग के प्रति गहरा रोष देखने को मिला। उन्होंने कहा कि पोलियो अभियान के चलते फिलहाल तीन दिन के लिए तैयारियों को रोका गया है, जिसके बाद बाकी जिलों में आंदोलन की तैयारियां और तेज की जाएंगी। नेताओं ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत कार्यरत एमपीएचडब्ल्यू कर्मियों की लंबित मांगों पर लंबे समय से कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है।

बैंक घोटाले की जांच में आईएएस अधिकारी से जुड़ी व्हाट्सएप चैट सामने आने का दावा

■ 2 करोड़ कैश मूवमेंट का दावा, मोबाइल डेटा और लोकेशन की फोरेंसिक जांच जारी

चंडीगढ़। हरियाणा के सरकारी विभागों से जुड़े बैंक घोटाले की जांच के दौरान सीबीआई को एक अहम व्हाट्सएप चैट मिलने का दावा सामने आया है। सूत्रों के अनुसार इस चैट में 2009 बैच के आईएएस अधिकारी मनीराम शर्मा से जुड़ा उल्लेख है, जिसमें कथित रूप से उनकी गाड़ी में 2 करोड़ रुपये नकद रखे जाने से संबंधित बातचीत शामिल है। हालांकि इस चैट की प्रामाणिकता की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सूत्रों के मुताबिक चैट में एक सफेद रंग की गाड़ी के माध्यम से नकदी रखे जाने का उल्लेख है। साथ ही चैट में प्रतिक्रिया के तौर पर "थंब्स-अप" इमोजी का भी जिक्र बताया जा रहा है। सीबीआई इस चैट से जुड़े मोबाइल डेटा, लोकेशन और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की फोरेंसिक जांच कर रही है। सीबीआई मामले की जांच में जुटी है।

हनीट्रैप गिरोह की सदस्य मां-बेटी काबू , यूपी के युवक को बंधक बनाकर अश्लील वीडियो बनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

■ पशु एप पर भैंस बेचने का झांसा देकर युवक बुलाया, नकदी लूटी

जिले में पशु ऐप के जरिए भैंस बेचने का झांसा देकर उत्तर प्रदेश के बागपत के एक युवक को हनीट्रैप में फंसाने वाले गिरोह का थाना मॉडल टाउन पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने गिरोह की 2 मुख्य आरोपी मां-बेटी को इसराना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। दोनों से पूछताछ के बाद पुलिस ने पीड़ित के छीने गए 2 मोबाइल फोन, वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू और जबरन वसूली गई रकम में से 4 हजार रुपए कैश बरामद किए हैं। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। इससे पहले इस मामले

में गिरोह के 3 पुरुष सदस्यों को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। थाना मॉडल टाउन प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार महिलाओं की पहचान सीमा निवासी हरिनगर, हाल खुशीराम कॉलोनी इसराना और उसकी बेटी रूबी निवासी रोहतक के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि उन्होंने पहले गिरफ्तार किए जा चुके अशोक और मनोज निवासी जलमाना तथा अमित निवासी गन्नौर के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने पहले गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से डंडा और 8,420 रुपए भी बरामद किए थे। पुलिस के अनुसार, उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के गांव जीवाना गुलियाना निवासी सचिन सोलंकी ने शिकायत दी थी कि उसने 17 अप्रैल को मोबाइल पर पशु ऐप में एक भैंस बिकाऊ देखी थी। ऐप पर दिए गए नंबर पर संपर्क करने पर आरोपी अशोक ने बताया कि मकान निर्माण के लिए पैसों की जरूरत है और इसलिए वह 70 हजार रुपए में भैंस बेच रहा है। सौदा तय होने के बाद 18 अप्रैल को सचिन को कैश लेकर पानीपत बुलाया गया। शिकायत के अनुसार, पानीपत पहुंचने पर अशोक उसे बाइक पर बैठाकर आरके पुरम कॉलोनी स्थित अपने घर ले गया। वहां कमरे में बैठाने के कुछ देर बाद तीन अन्य व्यक्ति और महिलाएं अंदर आ गईं। आरोपियों ने युवक पर युवती से छेड़छाड़ का झूठा आरोप लगाते हुए कमरे का दरवाजा बंद कर दिया।

बाढ़ नियंत्रण की तैयारी में जुटी सरकार : चौधरी

चंडीगढ। हरियाणा की सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी की अध्यक्षता में यहां सिविल सचिवालय में विभागीय उच्चाधिकार प्राप्त खरीद समिति (डीएचपीपीसी) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रदेश में आगामी मानसून को देखते हुए बाढ़ नियंत्रण के लिए निर्णय लिए गए। बैठक में डीएचपीपीसी के सदस्य और प्रदेश के शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान समिति ने जल भराव और बाढ़ जैसी स्थितियों से निपटने के लिए पाइपों तथा हाई-पावर जल पंपों की खरीद से संबंधित सभी 16 एजेंडा को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। इन उपकरणों और सामग्रियों की खरीद पर प्रदेश सरकार द्वारा 30 करोड़ रुपये से अधिक की राशि व्यय की जाएगी।

सेक्टर-5 में धरनारत एचपीएससी अभ्यर्थियों को पुलिस ने हटाया

■ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर धक्का-मुक्की व बदसलूकी के लगाए आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चंडीगढ़

पंचकूला के सेक्टर-5 स्थित धरना स्थल से शनिवार देर रात हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) के अभ्यर्थियों को पुलिस ने हटा दिया।

बोले- फोन जब्त किए

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि कार्रवाई के दौरान उनके साथ धक्का-मुक्की, लाठीचार्ज और बदसलूकी की गई तथा वीडियो बनाने से रोकने के लिए मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। वहीं पुलिस का कहना है कि आमरण अनशन पर बैठे कुछ अभ्यर्थियों की तबीयत खराब हो रही थी। उन्हें पहले समझाया गया, लेकिन नहीं मानने पर शांतिपूर्वक धरना स्थल खाली कराया गया। अभ्यर्थियों का कहना है कि वे सेक्टर-5 में शांतिपूर्ण ढंग से आमरण अनशन कर रहे थे।

ये बोले अभ्यर्थी

इसके बावजूद देर रात पुलिस ने धरना समाप्त करा दिया और कई महिला प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। उनका आरोप है कि सरकार ने उनकी लोकतांत्रिक तरीके से उठाई जा रही मांगों को दबाने के लिए बल प्रयोग किया। प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों ने इसे ओबीसी वर्ग के छात्रों के साथ अन्याय बताते हुए विभिन्न सामाजिक संगठनों और आम लोगों से आंदोलन का समर्थन करने की अपील की है।

उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, आंदोलन जारी रहेगा। गौरतलब है कि एचपीएससी से जुड़े अभ्यर्थी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर पिछले कई दिनों से पंचकूला के सेक्टर-5 में धरना और आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के आरोपी को पूरी तरह से नकारा है।

खिलाड़ी लाइक्स व व्यूज से नहीं, पसीना बहाने से ही बनेंगे चैंपियन

रोहित डागर ▶▶ रोहतक

▶▶ रील्स, लाइक्स व व्यूज की चमक लोकप्रियता तो खूब दिलवा रही

▶▶ यह आभासी प्रसिद्धि खिलाड़ियों को अपने लक्ष्य से भटका रही

▶▶ देर रात तक स्क्रीन देखने से नींद, फिटनेस व एकाग्रता प्रभावित

सोशल मीडिया के दौर में आज युवा खिलाड़ी दो मैदानों में मुकाबला कर रहे हैं एक खेल का मैदान और दूसरा मोबाइल स्क्रीन का। रील्स, लाइक्स और व्यूज की चमक कई खिलाड़ियों को तेजी से लोकप्रियता तो दिला रही है, लेकिन खेल विशेषज्ञों का मानना है कि यह आभासी प्रसिद्धि कई बार खिलाड़ियों के असली लक्ष्य से उनका ध्यान भटका देती है। देर रात तक स्क्रीन पर समय बिताने से नींद, फिटनेस और एकाग्रता प्रभावित होती है, जबकि ट्रोलिंग और दूसरों से तुलना मानसिक दबाव बढ़ाती है। दूसरी ओर, सोशल मीडिया खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और पहचान बनाने का मंच भी देता है। ऐसे में विशेषज्ञों का स्पष्ट मत है कि रील नहीं रीयल चैंपियन बने। खिलाड़ी लाइक्स व व्यूज से नहीं, बल्कि मैदान में पसीना बहाने से ही चैंपियन बनेंगे। इसलिए मोबाइल स्क्रीन पर नहीं खेल के मैदान पर फोकस करें। जो पदक मेहनत से मिलेंगे वे सोशल मीडिया पर नहीं मिल सकते।

रील नहीं रियल हीरो बनें : दो मैदानों में मुकाबला कर रहे युवा, एक खेल का मैदान और दूसरा मोबाइल स्क्रीन का

फिटनेस और स्टैमिना हो रहा प्रभावित : डॉ. रोहिल्ला

पीजीआईएमएस रोहतक के खेल चिकित्सा विभाग के अध्यक्ष और वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. राजेश रोहिल्ला ने बताया कि अधिक स्क्रीन टाइम और मोबाइल का इस्तेमाल खिलाड़ी की फिटनेस और स्टैमिना को प्रभावित कर रहा है। मेरी सलाह है कि युवा खिलाड़ी सोशल मीडिया का संतुलित उपयोग केवल शिक्षा और प्रेरणा के लिए करें। रोजाना मनोरंजन के लिए स्क्रीन टाइम 2 घंटे से कम रखें। खेलों के बाद पर्याप्त आराम, गहरी नींद और आउटडोर गतिविधियां बेहद जरूरी हैं। यह खिलाड़ियों की कार्डियोरेस्पिरेटरी फिटनेस (हृदय-फेफड़ों की क्षमता) और मानसिक स्वास्थ्य दोनों को मजबूत बनाए रखने के लिए अनिवार्य है।

एआई जेनरेटिड फोटो।

मेहनत पर फोकस करें : सोमबीर

कुश्ती खिलाड़ी प्रिंस के पिता सोमबीर सिंह ने कहा कि सोशल मीडिया पर मिलने वाले अस्थायी 'फेम' के चक्कर में कई बच्चे मेहनत करना छोड़ देते हैं। थोड़ा-बहुत अभ्यास करके वीडियो बनाना और व्यूज बटोरना उनका लक्ष्य बन जाता है। इसलिए खिलाड़ियों को सोशल मीडिया से दूर रहना चाहिए और मैदान में पसीना बहाना चाहिए। चूंकि चैंपियन मैदान से ही निकलते हैं, मोबाइल से नहीं।

ये बड़े नुकसान

*▶▶ **स्लीप डेप्रिवेशन (नींद की कमी):** स्क्रीन से निकलने वाली 'ब्लू लाइट' शरीर में मेलाटोनिन (नींद के हार्मोन) के स्राव को रोकती है। नींद पूरी नहीं होने से मांसपेशियों की रिकवरी रुक जाती है। थकी हुई मांसपेशियों के साथ कोई भी खिलाड़ी मैदान पर अपना शत-प्रतिशत नहीं दे सकता।*

*▶▶ **धीमे रिफ्लेक्सेस और मानसिक थकान:** लगातार रील्स देखने से दिमाग में 'डोपामाइन' का स्तर बदलता है, एकाग्रता कम होती है। खेलों में सेकंड के 100वें हिस्से में निर्णय लेने होते हैं, लेकिन स्क्रीन टाइम बढ़ने से रिफ्लेक्सेस धीमे हो जाते हैं। यह मानसिक थकान स्टैमिना कम करती है।*

*▶▶ **ट्रोलिंग व नकारात्मक टिप्पणी:** खिलाड़ी अक्सर कटु टिप्पणियों, नस्लीय या लैंगिक अपशब्दों का सामना करते हैं, यह आत्मसम्मान को चोट पहुंचा सकता है और प्रदर्शन पर बुरा असर डाल सकता है।*

*▶▶ **ब्रांडिंग और करियर:** सकारात्मक उपस्थिति से खिलाड़ी स्पॉन्सरशिप व प्रोफेशनल अवसर पा सकते हैं, लेकिन उनकी हर गतिविधि सार्वजनिक होने से दबाव भी बढ़ता है।*

फायदे हैं तो नुकसान भी कम नहीं : कोच

बॉक्सिंग कोच विजय हुड्डा का कहना है कि पहले के दौर में सिर्फ बड़े क्रिकेटर्स या ओलंपिक पदक विजेताओं को ही देश में पहचान मिलती थी, लेकिन आज सोशल मीडिया के जरिए छोटे शहरों के खिलाड़ी या 'नॉन-पॉपुलर स्पोर्ट्स' (कम चर्चित खेलों) के एथलीट्स भी पहचान बना रहे हैं। कमाई के साधन विकसित हो रहे हैं। खिलाड़ी अन्य दिग्गज एथलीटों के अभ्यास वीडियो देखकर प्रेरित हो सकते हैं और उनके मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े अनुभवों से सीख ले सकते हैं, लेकिन विडंबना यह भी है कि सोशल मीडिया पर दूसरों से तुलना करने की वजह से युवा खिलाड़ियों का आत्मविश्वास कमजोर हो रहा है। स्टेमिना घट रहा है। खिलाड़ी मैदान पर उस स्तर का प्रदर्शन नहीं कर पाता, जितना उसे करना चाहिए।

उपलब्धियां जीवनभर सम्मान दिलाती हैं : शिक्षा नरवाल

खिलाड़ी शिक्षा नरवाल ने बताया, मैं मैच या प्रैक्टिस से ठीक पहले सोशल मीडिया से पूरी तरह दूरी बनाए रखती हूं, क्योंकि उस समय मेरा पूरा फोकस रणनीति पर होता है। रात में ज्यादा फोन चलाने से सुबह का अभ्यास प्रभावित होता है। लाइक्स और व्यूज कुछ समय की खुशी देते हैं, लेकिन खेल की उपलब्धियां और मेडल जीवनभर का सम्मान दिलाते हैं। इसलिए खिलाड़ी फोन से दूरी बनाएं।

खबर संक्षेप

फरीदाबाद। साइबर ठगी करने के आरोपी पुलिस गिरफ्त में।

साइबर ठगीः खाताधारक सहित तीन उप्र से पकड़े

फरीदाबाद। साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने सीआईएसएफ के नाम पर सरकारी खरीद का झांसा देकर 30,000 की साइबर ठगी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कमल किशोर निवासी हरदोई उत्तर प्रदेश, जतिन बाबू निवासी गांव शब्दलपुर, जिला हरदोई, उत्तर प्रदेश तथा राहुल गुप्ता निवासी गांव मेंडिया, जिला हरदोई, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। तिरखा कॉलोनी, बल्लभगढ़ निवासी आरसीसी टाइल्स निर्माता ने पुलिस को शिकायत दी थी।

हमला करने के आरोपी को रोहतक से पकड़ा

गुरुग्राम। उद्योग विहार एरिया में एक महिला कर्मी पर जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने आरोपी शिव कुमार को रोहतक पीजीआई गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी से वारदात में इस्तेमाल किया गया लोहे का दाव और बाइक भी बरामद की है। अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भोंडसी जेल भेज दिया है। 20 जून को पुलिस को सूचना मिली कि उद्योग विहार फेज-5 में एक महिला पर धारदार हथियार से हमला किया गया है। महिला के पति ने बताया कि पत्नी ड्यूटी समाप्त कर कंपनी के गेट से बाहर निकली थी। इसी दौरान उस पर हमला कर दिया था।

मानसून से पूर्व व्यवस्था दुरुस्त करेंः खाद्य मंत्री

फरीदाबाद। प्रदेश के खाद्य मंत्री राजेश सफाई व्यवस्था का जायजा लेते हुए।

फरीदाबाद। हरियाणा सरकार में मंत्री राजेश नागर ने मानसून को देखते हुए शहर में जलजमाव की समस्या तथा बिजली संसाधनों को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम, एफएमडीए, बिजली निगम और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ क्षेत्र का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

फरीदाबाद में थाने के मालखाने में ही चोरी, एएसआई को किया सस्पेंड

आईटीआई विद्यार्थी सहित 20 गिरफ्तार

आईटीआई अप्रेंटिस पर आए युवक ने थाने से ही उड़ाए 32 हथियार

थाने के मालखाने में चोरी के मामलों में सिरसा, फतेहाबाद के बाद अब फरीदाबाद में भी नया मामला सामने आया है। सिरसा थाने में पुलिस वालों ने ही अफीम तो फतेहाबाद में शराब गबन की थी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

थाना सेक्टर-8 के मालखाने से करीबन 32 लाइसेंसी पिस्तौल चोरी हो गई थी। इस मामले में पुलिस आयुक्त डा. सतेन्द्र गुप्ता ने मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में मालखाना प्रभारी एएसआई बिजेन्द्र सिंह को निलंबित कर दिया। पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए 20 लोगों को गिरफ्तार कर हथियारों को बरामद कर लिया है। गौरतलब है कि बीते 9 मई को प्रबंधक थाना सेक्टर 8 निरीक्षक राजबीर सिंह द्वारा मालखाना का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना मालखाना से हथियार गायब मिले। जिस पर थाना सेक्टर 8 में विभिन्न धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया।

पुलिस प्रवक्ता यशपाल के अनुसार अपराध शाखा की टीमों का गठन कर घटनाक्रम में त्वरित कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया। अपराध शाखा सेक्टर-30 की टीम ने सफलता हासिल करते हुए आईटीआई विद्यार्थी मोनू सहित 20 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है और चोरी किए गए सभी हथियार बरामद कर लिए हैं। जांच में सामने आया कि मोनू आईटीआई विद्यार्थी था और कंप्यूटर का डिप्लोमा कर रहा था। मोनू अप्रेंटिस के लिए पुलिस विभाग में आया था। जिसको थाना सेक्टर 8 में कंप्यूटर के काम के लिए भेजा गया था। जिसके द्वारा अक्टूबर 2025 से अप्रैल 2026 के बीच थाना के मालखाना से हथियार चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। फिर हथियारों को मामा के लड़के विपिन के माध्यम से तिजारा निवासी संजय को दिए। इसके बाद इन हथियारों को चैन के माध्यम से अलग-अलग लोगों को धारूहेड़ा, भिवाड़ी, रेवाड़ी, गौतम बुध नगर, पलवल, नूँह आदि क्षेत्र में भेजा गया था। अपराध शाखा की टीम ने कार्रवाई की और हथियारों को बरामद कर आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

फरीदाबाद। थाने के मालखाने से हथियार चुराने के आरोपी क्राईम ब्रांच सेक्टर-30 की गिरफ्त में।

- पुलिस की टीमों ने हथियार बरामद किए
- प्रबंधक थाना सेक्टर 8 निरीक्षक राजबीर सिंह ने मालखाना का निरीक्षण किया तो सामने आया मामला

इन आरोपियों की हुई पहचान

पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने आगे बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोनू निवासी गांव करनेरा फरीदाबाद, विपिन कुमार निवासी निवासी तिजारा राजस्थान, संजय सुनारिया वासी तिजारा राजस्थान, सरिता वासी गांव करनेरा फरीदाबाद, पवन वासी गांव कमालपुर खैरथल राजस्थान, अजय वासी जीवन नगर पार्ट-2 गोच्छी, मुजेसर, अंकित निवासी बसेलवा कॉलोनी ओल्ड फरीदाबाद, बलवान वासी गांव डूंगरवास रेवाड़ी, प्रदीप वासी गांव मिलकपुर भिवाड़ी, दीपक उर्फ बल्ली वासी मिल्कपुर तिजारा, पुष्पेंद्र, अमन, सचिन, अमित, आशीष वासी गण जिला गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश, दिनेश उर्फ दीनू जिला रेवाड़ी, मुहम्मद तालीम वासी गांव घासेड़ा जिला नूंह धीरज वासी गांव पोंडरी जिला पलवल, राहुल वासी गांव भोगीपुर जिला मेवात, प्रवीण सहरावत वासी गांव हसनपुर नूंह के रूप में हुई है।

10-12 लाख तक की विदेशी पिस्टल भी थीं

इस पूरे मामले का खुलासा होते ही पुलिस कमिश्नर सतेंद्र कुमार गुप्ता ने हथियारों की बरामदगी के लिए कई टीमें लगाई थीं। इसके बाद सभी हथियार बरामद कर लिए गए। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जो हथियार मालखाने से गायब हुए हैं, उनमें कई विदेशी हथियार भी शामिल है। इनकी कीमत 2 लाख से लेकर करीब 12 लाख तक है। इनमें मंहगी विदेशी पिस्टल शामिल है।

पैक्स में 76 लाख के गबन मे तीन प्रबंधकों पर एफआईआर

फतेहाबाद। अयाल्की पैक्स में जांच करते सीएम फ्लाइंग के अधिकारी।

▶▶ 6 साल तक रिकॉर्ड में होती रही हेराफेरी

▶▶ ऑडिट में भी नहीं पकड़ में आई गड़बड़ी

फतेहाबाद। जिले के गांव अयालकी स्थित प्राथमिक कृषि सहकारी समिति (पैक्स) में 76 लाख के गबन का मामला सामने आया है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री उडऩदस्ता हिसार की जांच में मामला उजागर हुआ। इस मामले में सदर थाना पुलिस ने तीन प्रबंधकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। खास बात यह है कि मामले में केवल पैक्स प्रबंधकों की ही नहीं, बल्कि बैंक अधिकारियों, ऑडिटरों और सहकारी विभाग की ऑडिट टीम की भूमिका भी जांच के दायरे में आ गई है। पुलिस ने टोहाना सर्कल के विकास अधिकारी सुरेश कुमार की शिकायत पर तत्कालीन पैक्स प्रबंधक सुबे सिंह, उनके बाद प्रबंधक रहे राजबीर सिंह तथा वर्तमान अवधि के प्रबंधक बलवंत सिंह पर बीएनएस की धारा 316(2), 318(4) और 61 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने तत्कालीन पैक्स प्रबंधक सुबे सिंह, उनके बाद प्रबंधक रहे राजबीर सिंह तथा वर्तमान अवधि के प्रबंधक बलवंत सिंह को नामजद किया है। रिकॉर्ड के अनुसार सुबे सिंह वर्ष 2020 से सितंबर 2025 तक, राजबीर सिंह सितंबर 2025 से जनवरी 2026 तक और उसके बाद बलवंत सिंह प्रबंधक रहे।

रिकॉर्ड में लगातार हेराफेरी की

मुख्यमंत्री उडऩदस्ता, सहकारी विभाग और केंद्रीय सहकारी बैंक की संयुक्त टीम ने वर्ष 2020 से मार्च 2026 तक के रिकॉर्ड की जांच की थी। जांच में सामने आया कि इस दौरान कैश बुक, बैंक खातों और नकदी के रिकॉर्ड में लगातार हेराफेरी की गई। कई मामलों में बैंक में कम राशि जमा की गई, जबकि रिकॉर्ड में पूरी रकम जमा दिखा दी गई। कुछ जगह फर्जी बैंक एंट्री की गई, रसीदों में बदलाव किया गया और सदस्यों से वसूली गई राशि को कैश बुक में दर्ज ही नहीं किया गया। इन कारण समिति को 76 .09 लाख का नुकसान हुआ।

ऑडिट-बैंक की भूमिका पर सवाल

मामले ने सहकारी विभाग की ऑडिट व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। वर्ष 2020 से 2025 तक हर साल पैक्स का नियमित ऑडिट हुआ, लेकिन वित्तीय गड़बड़ी रिपोर्ट में सामने नहीं आई। यही कारण है कि अब संबंधित ऑडिटर, बैंक शाखा प्रबंधक, सहकारी विभाग के निरीक्षक और निरीक्षण टीम की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाएगी कि अनियमितताएं लापरवाही से हुईं या किसी की मिलीभगत भी थी। पुलिस ने पैक्स से जुड़े रिकॉर्ड अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के दौरान यदि किसी अन्य कर्मचारी या अधिकारी की भूमिका सामने आती है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में और लोगों की जिम्मेदारी तय हो सकती है।

शॉर्ट सर्किट से मकान में लगी आग, फैक्ट्री का सामान जला

ऊपरी मंजिल पर रह रही स्टाफ नर्स और बेटी को पीछे की दीवार से लोगों ने सुरक्षित निकाला

- स्थानीय लोगों और फायर ब्रिगेड की टीम ने आग की लपटों को ऊपरी मंजिल तक फैलने से रोका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भूना

शहर के शहीद चंद्रशेखर पार्क के पीछे स्थित मॉडल टाउन में शुक्रवार देर रात करीब 1:30 बजे शॉर्ट सर्किट से एक मकान में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते मकान में रखा बारदाना और अन्य सामान चपेट में आ गया। इसी भवन में संचालित ब्रा बनाने की फैक्ट्री भी आग की चपेट में आ गई, जिससे हजारों का तैयार और कच्चा माल जलकर राख हो गया।

हादसे के समय मकान की ऊपरी मंजिल पर किराये पर रह रही स्टाफ नर्स रेखा देवी अपनी बेटी के साथ मौजूद थी। आग और धुएं के कारण उनका बाहर निकलना मुश्किल हो गया। आसपास के लोगों ने साहस दिखाते हुए पीछे की दीवार पर पौड़ी लगाई और जोखिम उठाकर दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला। समय रहते राहत मिलने से बड़ा हादसा टल गया।

इलेक्ट्रिक स्कूटी-बाइक जली

मकान मालिक रमेश कुमार गर्ग ने बताया कि आग से करीब 8 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। बारदाना, फैक्ट्री का सामान और घरेलू वस्तुएं पूरी तरह जल गईं। वहीं किरायेदार स्टाफ नर्स की इलेक्ट्रिक स्कूटी, मोटरसाइकिल और एक साइकिल भी आग की भेंट चढ़ गई।

सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाने के दौरान स्थानीय लोगों ने भी सहयोग किया, जिससे लपटों को ऊपरी मंजिल तक फैलने से रोक लिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यदि आग ऊपरी मंजिल तक पहुंच जाती तो वहां रखे गैस सिलेंडरों के कारण बड़ा विस्फोट हो सकता था। स्थानीय लोगों की सतर्कता और फायर ब्रिगेड की त्वरित कार्रवाई से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

यमुनानगर में निशानदेही के दौरान छत से कूदा आरोपी, टांग टूटी

रिटायर्ड एसई बंसल हत्याकांड में पकड़ा गया था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

जठलाना के चर्चित रिटायर्ड एसई जगदीश बंसल हत्याकांड में शनिवार को उस समय नया घटनाक्रम सामने आया, जब पुलिस रिमांड पर चल रहा मुख्य आरोपी अजय निशानदेही के दौरान मौके से भागने की कोशिश में घायल हो गया। आरोपी ने जगदीश बंसल के मकान की छत से छलांग लगा दी, जिससे उसकी टांग टूट गई। सीआईए-2 की टीम आरोपी अजय और उसके साथी अंकित को वारदात से जुड़े साक्ष्यों और घटनाक्रम की निशानदेही के लिए जठलाना स्थित जगदीश बंसल के घर लेकर पहुंची थी। पुलिस को चकमा देकर अजय मकान की छत पर चढ़ गया और वहां से नीचे छलांग लगाकर भागने का प्रयास किया। हालांकि छत से कूदते ही वह जमीन पर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी टांग टूटने की पुष्टि हुई। पुलिस टीम ने तुरंत उसे काबू में लेकर उपचार के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज जारी है।

पांच दिन के रिमांड पर

पुलिस के अनुसार आरोपी पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद दोबारा अदालत में पेश किया जाएगा। आरोपी पहले से पांच दिन के रिमांड पर था और पूछताछ में कई अहम तथ्य सामने आए हैं।

घर में मिला था शव

गांव जठलाना निवासी रिटायर्ड सुपरिटेंडिंग इंजीनियर जगदीश बंसल 19 जून की सुबह घर में मृत मिले थे। उनके सिर और शरीर पर कई गंभीर चोटें थीं। घर का सामान बिखरा मिला था।

करनाल में डॉक्टर ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

करनाल। थाना असंध के अंतर्गत आने वाले गांव उपलाना में एक डॉक्टर ने संदिग्ध हालातों में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान 52 वर्षीय महिपाल राणा के रूप में हुई है, जो गांव रत्तक में क्लीनिक चलाते थे। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट बरामद किया है, जिसमें मानसिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शनिवार रात करीब 10 बजे जब परिजन कमरे में पहुंचे तो महिपाल का शव फंदे से लटका मिला। पुलिस ने कपड़ों की तलाशी ली तो जेब में सुसाइड नोट मिला। जांच अधिकारी प्रवीण कुमार ने कहाकि आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी होगी।

सुसाइट नोट में यह लिखा : उसमें महिपाल ने लिखा कि गांव रत्तक के बलवंत सिंह, सज्जन सिंह और गुरसेवक सिंह उर्फ गौरा उन्हें परेशान कर रहे थे। बलवंत सिंह ने आरोप लगाया था कि महिपाल ने उसके बेटे को नशे का इंजेक्शन दिया है, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ी। बलवंत ने एडीसी करनाल को शिकायत भी दी थी, जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जांच की थी। महिपाल ने सुसाइड नोट में स्पष्ट किया कि उन्होंने लड़के को कोई इंजेक्शन नहीं दिया था, बल्कि उसने क्लोरोफांस नामक कीटनाशक पी रखा था। आरोपी उन्हें बदनाम कर रहे थे और लड़के के इलाज के नाम पर 7 लाख की मांग कर रहे थे। इस तनाव के चलते उन्होंने यह कदम उठाया।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

11 जुलाई को ट्रस्ट की बैठक, चंपत व मिश्रा के इस्तीफों पर होगा फैसला

राम मंदिर में हो सकती है तिरुपति बालाजी टैंपल की तर्ज पर अब सीईओ की नियुक्ति

चंपत राय

नृपेंद्र मिश्रा

- ट्रस्ट का दावा- भक्तों द्वारा दान में दी गई चांदी और आभूषण सुरक्षित
- नृपेंद्र को सीईओ बनाया जा सकता है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कोषाध्यक्ष स्वामी गोविन्ददेव गिरि ने कहा है कि राम मंदिर ट्रस्ट से चंपत राय और अनिल मिश्रा का त्यागपत्र प्राप्त हुआ है। न्यास अपनी आगामी बैठक में इस पर विचार करेगा। ट्रस्ट ने बताया कि भक्तों द्वारा दान में दी गई चांदी और आभूषण सुरक्षित हैं। 11 जुलाई को ट्रस्ट की अगली बैठक होगी, इसमें राम मंदिर ट्रस्ट का नया महासचिव तय होता सकता है। अनिल मिश्रा की जगह पर कोई अन्य सदस्य लाया जा सकता है। बैठक में राम मंदिर परिसर में सीईओ की भी नियुक्ति हो सकती है। तिरुपति बालाजी मंदिर की तर्ज पर व्यवस्था को लागू किए जाने की चर्चा चल रही है। सीईओ की नियुक्ति से मंदिर में आने वाले पैसों और दान की राशि का उचित प्रबंधन किया

जाएगा। अभी ट्रस्ट के स्तर पर ही वित्तीय प्रबंधन चल रहा था। इस कारण दान राशि में चोरी के मामले सामने आए। नृपेंद्र मिश्रा को राम मंदिर ट्रस्ट का मुख्य कार्यकारी अधिकारी यानी सीईओ बनाया जा सकता है। राम मंदिर परिसर में सीईओ का पद राम मंदिर ट्रस्ट के अधीन होगा।

ट्रस्ट के सदस्य बोले

दोषियों को बख्शा न जाए

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य विश्वप्रसन्न तीर्थ स्वामीजी ने शुक्रवार को कहा कि ऐसा गंभीर अपराध नहीं होना चाहिए था। यदि आरोप सही साबित होते हैं, तो दोषियों को कानून के मुताबिक उचित सजा मिलनी चाहिए। उडुपी के अष्ट (आठ) मठों में से एक पेजावर अधोक्षज मठ के प्रमुख स्वामी ने कहा कि पूरे मामले के तथ्य सामने आने चाहिए। इस बीच, अयोध्या के रामलला की प्रतिमा के मूर्तिकार अरुण योगीराज ने भी पूरे घटनाक्रम पर चिंता जताई। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि आरोपों की सच्चाई जल्द सामने आनी चाहिए और श्रद्धालुओं की आस्था की हर कीमत पर रक्षा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर इस मामले में कुछ भी गलत हुआ है तो भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों और दोषियों को कड़ी सजा मिले।

खास बातें

- कोषाध्यक्ष स्वामी गोविन्ददेव गिरि ने राम मंदिर ट्रस्ट से चंपत राय के इस्तीफे की पुष्टि की।
- ट्रस्ट ने बताया कि चंपत राय और अनिल मिश्रा से त्यागपत्र प्राप्त हुआ है। न्यास अपनी आगामी बैठक में इस पर विचार करेगा।
- ट्रस्ट ने बताया कि भक्तों द्वारा दान में दी गई चांदी और आभूषण सुरक्षित हैं।
- 11 जुलाई को होगी ट्रस्ट की अगली बैठक होगी, इसमें राम मंदिर ट्रस्ट का नया महासचिव तय होता सकता है।
- डॉक्टर अनिल मिश्रा की जगह पर कोई अन्य सदस्य लाया जा सकता है।
- बैठक में राम मंदिर परिसर में सीईओ की भी नियुक्ति हो सकती है।

धमाके के बाद कैंपस के पास ताबड़तोड़ गोलीबारी

कराची में पाक रेंजर्स मुख्यालय पर आतंकी हमला, चार जवान मरे

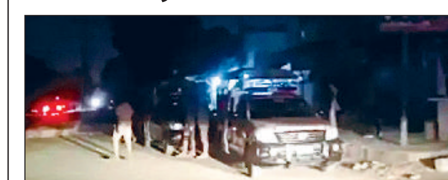

कराची। कराची के घनी आबादी वाले गुलिस्तान-ए-जौहर इलाके में आतंकवादियों ने पाकिस्तान रेंजर्स के मुख्यालय पर शनिवार को हमला कर दिया जिसमें चार जवान मारे गए। सिंध के पुलिस महानिरीक्षक जावेद आलम ओधो ने बताया कि शुरुआती जांच से पता चलता है कि आतंकवादी एक गाड़ी में आए और मुख्य गेट को टक्कर मारकर परिसर में घुस गए। उन्होंने कहा कि हमला शुरू होने पर एक धमाके की आवाज़ सुनी गई। हालाँकि, अभी तक इसका कारण पता नहीं चल पाया है। ओधो ने कहा, ''यह बात पक्की है कि जैसे ही हमला हुआ, रेंजर्स के जवानों ने तुरंत मोर्चा संभाला और हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई की।' इस दौरान इलाके की घेराबंदी कर दी गई और आसपास की सड़कें भी बंद कर दी गईं। सिंध के गृह मंत्री ज़िया-उल-हसन लंजहर ने कहा कि विशेष सुरक्षा इकाई के कमांडो और आतंकवाद रोधी बल कार्रवाई में रेंजर्स के जवानों की मदद कर रहे हैं।

रात करीब सवा आठ बजे वारदात

पाकिस्तानी सेना और आतंकियों के बीच कई घंट तक झड़प हुई। बताया जा रहा है कि हमला रात करीब 8:10 बजे कराची के गुलिस्तान ए जौहर इलाके के रेंचर्स कराची ट्रांसपोर्ट के दफ्तर पर हुआ है। पहले आंतकियों ने ऑफिस के मुख्य गेट पर जोरदार धमाका किया, जिसके तुरंत बाद पूरे इलाके में ताबड़तोड़ गोलीबारी शुरू हो गई। घायल पैरामिलिट्री के 6 जवानों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

एक आतंकी भी ढेर

पाक रेंजर्स ने भी जवाबी फायरिंग की। एक आतंकी की मौत की पुष्टि हुई है। बताया जा रहा है कि फिदायीन हमले में आतंकी ने ख़ुद को उड़ा लिया था। 3-4 आतंकी अभी भी कंपाउंड में बताए जा रहे हैं। समाचार लिखे जाने तक दोनों और फायरिंग जारी थी। जिस जगह पर हमला हुआ है, वह रेंजर्स ऑफिस के साथ साथ यूनिवर्सिटी, और मौसम विभाग भी स्थित है। इलाके में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है।

सिंध के मुख्यमंत्री ने रिपोर्ट तलब की

पाकिस्तानी अखबार डॉन के अनुसार सिंध के मुख्यमंत्री सैयद मुराद अली शाह ने घटना को लेकर एक रिपोर्ट तलब की है। कराची में अक्सर लॉ एंड ऑर्डर और टेररिस्ट एक्टिविटी के विरोध में पाकिस्तान रेंजर्स की तैनाती रहती है। इसी वजह से यह गुलिस्तान ए जौहर स्थित रेंजर्स का हेडक्वाटर को होई सिक्योरिटी इलाका माना जाता है।

खबर संक्षेप

जोधपुर एयरपोर्ट का 4 को मोदी करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जोधपुर में 35 वर्षों से अधिक समय से प्रतीक्षित नया एयरपोर्ट टर्मिनल अब जनता की सेवा के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 जुलाई को नए टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे।नई दिल्ली से जोधपुर पहुंचने पर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में शेखावत ने यह बात कही।

यूपीएससी की सीधी भर्ती के लिए आवेदन 17 तक

नई दिल्ली। यूपीएससी ने भारत सरकार के विभिन्न पदों पर सीधी भर्ती के लिए पात्र उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 17 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं।भर्ती से संबंधित विस्तृत विज्ञापन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर दिया है। विज्ञापन में पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और आवश्यक दिशा-निर्देश उपलब्ध कराए हैं।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

वेनेजुएला में भूकंप के फिर लगे झटके

वेनेज़ुएला में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,433

ला ग्वायरा (वेनेज़ुएला)। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेज़ुएला में लगातार आफत जारी है। 25 जून को आए दो भूकंप के बाद स्थानीय समयानुसार शुक्रवार दोपहर को एक और भूकंप आया। देश के उत्तरी तट के पास आए इस भूकंप की तीव्रता 4.9 मापी गई है। राजधानी कराकास और माराके में भी झटके महसूस किए गए। वहीं दूसरी तरफ, भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर शनिवार को 1,433 हो गई। वहीं 3400 से अधिक लोग घायल हैं। अधिकारियों के अनुसार, परिवारों ने सुबह 69,000 से अधिक लोगों के लापता होने की जानकारी दी। इस सबके बीच लोगों में हताशा बढ़ती जा रही है। वेनेज़ुएला के सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्यों में से एक, ला ग्वायरा में, अपने प्रियजनों और पड़ोसियों की तलाश कर रहे लोग फावड़ों, भारी मशीनों, रस्सियों और अपने हाथों का इस्तेमाल करके कंक्रीट के ढेर को हटाने की कोशिश करते दिखे।

विदेश मंत्रालय ने जारी की ई-नीलामी

रोलेक्स घड़ी, चांदी के खंजर 300 तोहफे होंगे नीलाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय ने तोशाखाना में सुरक्षित विदेशी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा भारत सरकार के अधिकारियों और प्रतिनिधियों को भेंट किए गए करीब 300 उपहारों की ई-नीलामी जारी की है। बता दें कि इस नीलामी में लग्जरी घड़ियों, आभूषणों, स्मृति चिन्हों, सजावटी वस्तुओं और अन्य दुर्लभ उपहारों को शामिल किया गया है। ई-नीलामी आठ जून से शुरू हुई थी और 30 जून तक चलेगी। तोशाखाना वह आधिकारिक भंडार है, जहां विदेश यात्राओं या भारत में विदेशी प्रतिनिधियों से सरकारी अधिकारियों को प्राप्त उपहार सुरक्षित रखे जाते हैं। संशोधित तोशाखाना नियम, 2024 के तहत पहली बार इन उपहारों की सार्वजनिक ई-नीलामी आयोजित की जा रही है। इसमें केवल भारत के निवासी नागरिक पंजीकरण कर बोली लगा सकते हैं।

- तोशाखाना में विदेशी मेहमानों से मिले हैं करीब 300 से ज्यादा उपहार

पतंजलि विश्वविद्यालय में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम-2026 का समापन

यहां से जाने वाला हर छात्र राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित युवा बने : आचार्य बालकृष्ण

हरिद्वार। पतंजलि विश्वविद्यालय एवं पतंजलि अनुसंधान संस्थान हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक माह के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम-2026 का आज भव्य एवं गरिमामय समापन समारोह सम्पन्न हुआ। देश के 11 राज्यों से आए 130 छात्र-छात्राओं ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेकर आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान, भारतीय ज्ञान परंपरा तथा समग्र व्यक्तित्व विकास का अद्वितीय अनुभव प्राप्त किया। समापन समारोह में पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण तथा उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। आचार्य बालकृष्ण महाराज ने कहा कि भारत की प्राचीन ऋषि परंपरा और आधुनिक विज्ञान एक-दूसरे के पूरक हैं। प्रयोगशाला में शोध करने वाला

विद्यार्थी यदि भारतीय संस्कृति, योग एवं यज्ञ की परंपरा से भी जुड़ा हो, तो उसका व्यक्तित्व अधिक संतुलित, अनुशासित एवं राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित बनता है। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे चाहते हैं कि यहां से जाने वाला प्रत्येक विद्यार्थी केवल डिग्रीधारी नहीं, बल्कि चरित्रवान, शोधपरक और राष्ट्रनिर्माण के लिए समर्पित युवा बने। मुख्य अतिथि डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना को साकार करता है।

डिजिटल सेवा कर लगाने पर यूएस 100% टैरिफ लगाएगा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को बड़ा ऐलान किया। ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कोई देश अमेरिका की डिजिटल सेवा से जुड़ी कंपनियों

पर टैक्स लगाता है, तो उनकी सरकार ऐसे देशों पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाएगी। ट्रंप ने साफ किया कि यह टैरिफ उन देशों पर ऊपर से लगेगा, जिनके साथ अमेरिका का व्यापार समझौता लागू होगा। डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब यूरोपीय संघ (ईयू) ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की शर्तें लगभग तय कर ली हैं और दोनों देशों के बीच इस पर मुहर लगने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। डिजिटल सेवा कर आमतौर पर देशों की तरफ से इसलिए लागू किया जाता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मल्टीनेशनल (बहुराष्ट्रीय) तकनीकी कंपनियां उस देश के कर ढांचे में अपना योगदान दें, जहां के ग्राहकों से वे कमाई कर रही हैं। अक्सर इन कंपनियों का कमाई करने वाले देश में कोई भौतिक अस्तित्व नहीं होता है और वे अपना मुनाफा किसी अन्य देश में दर्ज करती हैं।

राशिफल

मेष: धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृष: वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

मिथुन: शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कर्क: आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

सिंह: सम्पत्ति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कन्या: किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

तुला: मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक: शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

धनु: आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर: व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

कुंभ: मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

मीन: परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

15 साल पुरानी कार में सेफ्टी सिस्टम अचानक हुआ एक्टिव

खड़ी कार का एयरबैग खुलने से युवक की मौत

एजेंसी ▶▶ ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे में एक खड़ी कार में अचानक एयरबैग खुलने से 25 साल के युवक मौत हो गई। युवक एक कार डीलर था। वह एक 15 साल पुरानी कार के अंदर बैठा था। तभी अचानक गाड़ी का सेफ्टी सिस्टम एक्टिव हो गया। एयरबैग इतनी तेजी से खुला कि उसके जोरदार झटके से युवक को गंभीर चोटें आईं और मेडिकल मदद मिलने से पहले ही ज्यादा खून बहने के कारण उसकी मौत हो गई। युवक को चोट कहां लगी इसकी जानकारी फिलहाल नहीं दी गई है। यह घटना बुधवार को ठाणे के काशिमीरा इलाके में हुई। जानकारी पुलिस ने शनिवार को दी।

एक्सीडेंटल डेथ का केस दर्ज : ठाणे पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में पता चला है कि कार भले ही पुरानी थी, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार उसके पास वैलिड फिटनेस सर्टिफिकेट था। पुलिस ने मामले में एक्सीडेंटल डेथ का केस दर्ज किया है। पुलिस जांच के लिए ऑटोमोबाइल एक्सपर्ट्स से भी सलाह ले रही है। एयरबैग खुलने की स्पीड 200 से 300 किमी/घंटा के बीच हो सकती है। इस वजह से तेज झटका लगता है।

एपीडा की पहल से रीवा सुंदरजा आम ने वैश्विक बाजार में रखे कदम

150 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से खरीदा गया

भोपाल से 1 मीट्रिक टन आमों की पहली खेप यूएई रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने मध्य प्रदेश के जीआई टैग वाले रीवा सुंदरजा आमों के संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को पहले वाणिज्यिक निर्यात में सहायता प्रदान की है। यह उपलब्धि वैश्विक बाजार में भारत के विशिष्ट कृषि उत्पादों को नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। पिछले कई महीनों से एपीडा ने मध्य प्रदेश सरकार के बागवानी विभाग, निर्यातकों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), पैकिंग हाउस संचालकों और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के साथ मिलकर रीवा सुंदरजा आम के निर्यात की संभावनाओं पर काम किया।

रीवा के किसान ने की शुरुआत

रीवा सुंदरजा आमों की पहली वाणिज्यिक खेप में एक मीट्रिक टन आम शामिल थे, जिसे 26 जून 2026 को मेसर्स साल्ट रेंज फूड्स प्राइवेट लिमिटेड ने संयुक्त अरब

अमीरात को निर्यात किया। निर्यात की गई खेप के आम रीवा जिले के गोविंदगढ़ निवासी प्रगतिशील किसान सोनू गुप्ता और ओन्धा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से प्राप्त किए गए। स्थानीय बाजार में सुंदरजा आम का भाव लगभग 100 से 110 रुपए प्रति किलोग्राम है, जबकि निर्यातक ने इसे 150 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से खरीदा।

शब्द पहेली - 6270

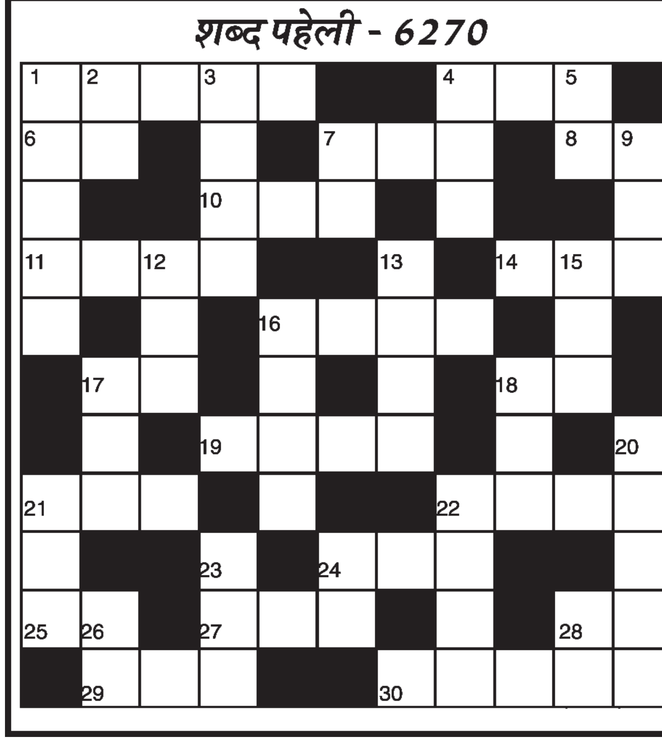

बाएँ से दाए-
1. पदमाकर, कमल सरोवर-5
4. इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
6. देवस्थान, मंदिर-2
7. शिव आवास-3
8. उत्तम, सज्जन-2
10. पति, शोहर-3
11. दमकना-4
14. टीस, पीड़ा-3
16. झरने की आवाज-4
17. आशा, इच्छा-2
18. संध्या, शाम-2
19. निराकार, भगवान-4
21. बुझाना, शांति-3
22. अभिप्राय-4
24. आंचल-3
25. घोड़ागाड़ी-2
27. उष्ण-3
28. पिता के पिता-2
29. पंक्ति-3
30. तहजीबदार-5

ऊपर से नीचे
1. कथा कहने वाला-5
2. चित, जी-2
3. कार्यशाला, यंत्रालय-4
4. माहिर, दक्ष-3
5. आकाश, गगन-2
7. कारावास-2
9. योग्य-3
12. अनुमान, अंदाज-3
13. झगड़ा, कहासुनी-4
15. मुगल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
16. पक्षियों का शोर-4
17. राहत, विश्राम -3
18. मुसीबत, आफत -3
20. होशियार, चेतावनी-5
21. नगर-3
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर अभिनीत फिल्म
23. मगरमच्छ-3
24. दर, मूल्य-2
26. भूमि, धरती-2
28. पिता के पिता-2

शब्द पहेली -6269 का हल

सूडोकु नवताल 6280

★★★★☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

MANGAL SENACHA SANGALCHE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6279 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने गुजरात में लॉन्च की 'भारत टैक्सी सर्विस'

देश के पहले राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म में ड्राइवर्स के पास होगा सीधे तौर पर 'मालिकाना हक'

ट्रांसपोर्टेशन एक्सेसिबिलिटी के एक नए युग की शुरुआत माना जा रहा

एजेंसी ▶▶ गांधीनगर

निजी कैब कंपनियों की मनमानी और कैंसिलेशन की समस्याओं के सामधान के लिए केंद्र सरकार ने समाधान निकाला है। अब इस समस्या का एक नया और ठोस समाधान 'को-ऑपरेटिव मॉडल' (सहकारी ढांचे) के जरिए सामने आया है। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को गुजरात में भारत टैक्सी सर्विस को आधिकारिक रूप से लॉन्च कर दिया है। यह भारत का पहला ऐसा राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म है, जिसका मालिकाना हक सीधे तौर पर इसे चलाने वाले ड्राइवर्स के पास होगा। भारतीय मोबिलिटी सेक्टर में इस पहल को ट्रांसपोर्टेशन एक्सेसिबिलिटी के एक नए युग की शुरुआत माना जा रहा है। शाह ने कहा कि इससे कई समस्याओं से छुटकारा मिलेगा, सात ही नागरियों को कई फायदे भी मिलेंगे। कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल के साथ ही कई जन प्रतिनिधि शामिल रहे।

गुजरात के 14 प्रमुख शहरों में शुरू किया

निजी कैब कंपनियों की मनमानी कैंसिलेशन होगी खत्म

'को-ऑपरेटिव मॉडल' से लोगों को दिया जा रहा लाभ

भारत सेवा टैक्सी लॉन्चिंग के कार्यक्रम में गृहमंत्री शाह और सीएम पटेल व अन्य

लॉन्चिंग के पहले चरण में इस सेवा को गुजरात राज्य के 14 प्रमुख शहरों में शुरू किया गया है। सरकार और सहकारिता मंत्रालय का लक्ष्य बेहद आक्रामक है; उन्होंने अगले एक महीने के भीतर इस सर्विस के ऑपरेशंस का विस्तार पूरे गुजरात राज्य में करने की योजना बनाई है।

एक माह में पूरे गुजरात में चलेंगी

अब हर घर तक पहुंच होगी आसान

लॉन्चिंग कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित करते हुए गृहमंत्री शाह ने कहा कि भारत के आर्थिक विकास के साथ-साथ टैक्सी सेवाओं की मांग में भारी बढ़ोतरी हुई है और आज यह जरूरत हर घर तक पहुंच गई है। उन्होंने साफ किया कि प्राइवेट सेक्टर की टैक्सी सेवाओं में कई तरह की दिक्कतें उभर कर सामने आ रही थीं, जिससे परेशान होकर आम जनता और ड्राइवर्स दोनों ने ही उनसे मुलाकात कर समाधान की उम्मीद जताई थी।

शोषण आधारित व्यापार पर लगेगी बंदिश

इस बिजनेस मॉडल के पीछे का सबसे बड़ा विचार कैब सेक्टर से शोषण-आधारित व्यापार को खत्म करना है। जब टैक्सी सर्विस को-ऑपरेटिव मॉडल पर चलेगी, तो मुनाफे और कंट्रोल का एक बड़ा हिस्सा सीधे ड्राइवर्स के पास रहेगा, जिससे प्राइवेट कंपनियों द्वारा होने वाला शोषण खुद ही कम होने लगेगा। शाह ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत ने सहकारिता के माध्यम से कई अन्य सेक्टर्स में शानदार सफलता हासिल की है, इसलिए यही मॉडल टैक्सी सेक्टर की समस्याओं का भी एक सार्थक और प्रभावी समाधान बन सकता है। लब्बोलुआब यह है कि 'भारत टैक्सी' का यह नया प्रयोग भारतीय मोबिलिटी सेक्टर के लिए एक बहुत बड़ा कदम है। देश में राइड-हेलिंग बिजनेस के तौर-तरीकों को हमेशा के लिए बदल सकता है।

छोटे चाय उत्पादकों को मिलेगी किसान आईडी

गुवाहाटी। असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने घोषणा की है कि असम में छोटे चाय उत्पादक अब

किसान पंजीकरण पोर्टल पर पंजीकरण करा सकेंगे। सरकार के अलग-अलग लाभों का फायदा उठा सकेंगे। किसानों को किसान आईडी जारी की जाएगी। वे उर्वरक, सरकारी योजनाओं के लाभ,कर्ज और अन्य कृषि सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे।

300 फीट नीचे नाले में गिरी कार, 4 की मौत

चंबा। हिमाचल प्रदेश में चंबा जिला के जनजातीय उपमंडल भरमौर में शनिवार को भीषण सड़क हादसे में

4 लोगों की मौत हो गई। सामरा-उरेई लिंक रोड पर सारणी का नाला के समीप एक अल्टो कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में लुढ़कते हुए नाले में जा गिरी।कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार 3लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

अस्पताल-कोचिंग सेंटर अग्निकांड

सुप्रीम कोर्ट में कानून बनाने की मांग, सुरक्षा इंतजाम किए जाएं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में बार-बार होने वाले भीषण अग्निकांडों पर अब सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। इस में केंद्र सरकार को देश भर के उच्च जोखिम वाले सार्वजनिक परिसरों के लिए एक राष्ट्रीय अग्नि और जीवन सुरक्षा ढांचा तैयार करने का निर्देश देने की मांग की गई है, साथ ही केंद्र सरकार पूरे देश के लिए एक मजबूत फायर सेफ्टी कानून बनाए। यह याचिका वकील नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने दायर की है। उन्होंने कहा कि स्कूल, कोचिंग, हॉस्टल, होटल, रेस्तरां, मॉल और अस्पतालों के लिए एक सख्त नियम होना चाहिए। भारी भीड़ वाली इन जगहों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम बेहद जरूरी हैं।

3 महीने में हो हर बिल्डिंग की जांच

याचिका में सभी राज्यों को एक बड़ा निर्देश देने की मांग की गई है। वकील ने कहा कि 3-4महीने के भीतर सभी राज्यों में फायर ऑडिट होना चाहिए। खासकर कोचिंग हब, स्कूल, अस्पताल और मॉल की जांच पहले हो। दिल्ली और लखनऊ में दो बड़े हादसे हुए। याचिका में इन हादसों का जिक्र है। वकील ने कहा कि देश में एक जैसा कड़ा कानून नहीं है। इसी वजह से बार-बार ऐसी लापरवाही और मौतें हो रही हैं। याचिका में लिखा है, हादसे के बाद सिर्फ कमेटी बनाना काफी नहीं है। हर नागरिक को जीने का अधिकार देता है। सरकार का काम केवल शोक मनाना नहीं, बल्कि हादसों को रोकना है।कोर्ट से कहा गया है कि सभी राज्य एक लिस्ट सौंपें। अदालत को बताया जाए कि कितनी बिल्डिंग बिना फायर एनओसी के चल रही हैं। अवैध बेसमेंट, छतों और बिना मंजूरी वाली मंजिलों पर क्लासरूम, लाइब्रेरी, कोचिंग या रेस्तरां चलाने पर तुरंत रोक लगे। बच्चों और छात्रों की सुरक्षा सबसे ऊपर होनी चाहिए।

मंत्री नड्डा आज करेंगे शुभारंभ

ई-सुश्रुत क्लीनिक से छोटे स्वास्थ्य केंद्र होंगे डिजिटल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में छोटे क्लीनिकों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के डिजिटलीकरण को नई गति मिलेगी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं

परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा 29 जून को 'ई-सुश्रुतएट द रेट क्लीनिक' का शुभारंभ करेंगे। यह सी-डैक द्वारा विकसित हल्का, किफायती और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन सक्षम हॉस्पिटल मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम है।

किफायती डिजिटल समाधान तैयार किया

देश के अनेक छोटे क्लीनिक अब भी मरीजों के पंजीकरण, बिलिंग और रिकॉर्ड प्रबंधन जैसे कार्य मैनुअल तरीके से करते हैं। सी-डैक ने इसे विकसित किया है, जो सरल, क्लाउड आधारित और कम लागत वाला डिजिटल समाधान उपलब्ध कराएगा। इसे सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों, उप-केंद्रों और निजी क्लीनिकों में उपयोग के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रोविजनल आंसर-की जारी

नीट में ड्रॉप हो गया एक सवाल एवज में मिलेंगे 4 बोनस नंबर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

री-नीट परीक्षा का रिजल्ट आने से पहले ही छात्रों के 4 नंबर पक्के हो गए हैं। 21 जून को देशभर में कड़ी सुरक्षा के बीच 5 हजार से अधिक केंद्रों पर आयोजिन हुई नीट परीक्षा की प्रोविजनल आंसर-की जारी हो गई है जिसमें फिजिक्स के एक सवाल को ड्रॉप कर दिया गया है। छात्रों को 4 मार्क्स का फायदा हुआ है। भले ही किसी ने इस सवाल को सॉल्व किया हो या नहीं। फिजिक्स के एक और सवाल पर विवाद था। माना जा रहा था कि एक सवाल के दो जवाब सही पाए गए। अब उन दोनों विकल्पों में से किसी को भी चुना होगा तो, उन्हें पूरे 4 नंबर मिलेंगे।

आंसर के चैलेंज का आज अंतिम दिन

एनटीए ने आंसर की जारी करते हुए उसमें से एक सवाल हटा दिया है लेकिन इसके साथ ही अगर किसी उम्मीदवार को किसी भी तरह की कोई दिक्कत है, तो वह उस सवाल के लिए चैलेंज कर सकते हैं।

हाईकोर्ट का अहम फैसला

माता-पिता के विवाद में बच्चों को नुकसान, जबरन 'पिस' रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने एक चाइल्ड कस्टडी मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि पति-पत्नी के बीच चल रहे विवाद का सबसे अधिक नुकसान बच्चों को उठाना पड़ता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कस्टडी से जुड़े मामलों में अनावश्यक देरी या बच्चे को दूसरे अभिभावक को सौंपने में टालमटोल करने से नाबालिग को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रतिकूल प्रभाव झेलना पड़ता है।

इसी के साथ हाई कोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा। जिसमें गर्मी की छुट्टियों के दौरान नाबालिग बच्ची की अंतरिम कस्टडी उसके पिता को देने की अनुमति दी गई थी।

अदालत के चक्कर लगाना बच्चे के लिए नुकसानदायक

न्यायमूर्ति तेजस करिया और न्यायमूर्ति मधु जैन की खंडपीठ ने कहा कि कस्टडी विवादों में सबसे महत्वपूर्ण पहलू बच्चे का कल्याण है। अदालत ने माना कि जब माता-पिता अपने विवाद के कारण बच्चे को समय पर दूसरे अभिभावक के पास नहीं भेजते, तो अंततः इसकी कीमत बच्चे को चुकानी पड़ती है। ऐसे मामलों में लगातार अदालत का रुख करना भी बच्चे के मानसिक विकास और भावनात्मक संतुलन के लिए उचित नहीं है।

हमारे शहरों में बढ़ती जनसंख्या और उसके अनुरूप अनियोजित भवन निर्माण सुरक्षा की दृष्टि से जानलेवा साबित हो रहे हैं। आवासीय इलाकों में बिना सोचे-समझे व्यावसायिक गतिविधियां और कारखाने खोल दिए जाते हैं। ऐसे में जब कभी आग लगती है तो संकरी गलियों के कारण दमकल विभाग की गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच पातीं। ऐसे में हादसा अनगिनत जानों को लील लेता है। प्रशासन द्वारा निर्धारित भवन निर्माण के नियम कोई रुकावट नहीं हैं, बल्कि ये हमारे जीवन की रक्षा के लिए बनाए गए बेहद जरूरी सुरक्षा कवच हैं। यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं होनी चाहिए कि अवैध निर्माण लालची बिल्डरों और भ्रष्ट सरकारी अधिकारियों के गठजोड़ से फलते-फूलते हैं। बिल्डर सुरक्षा प्रमाण पत्र जमा करते हैं, अधिकारी आंखें मूंद लेते हैं और खरीदार अंत में फंसता है। छोटे शहरों में स्थिति और भी बदतर है। यहां नगर पालिकाएं संसाधनों की कमी और स्थानीय दबाव के आगे घुटने टेक देती हैं। अगर हम आज भी नहीं जागे और सुरक्षित भवन निर्माण की दिशा में तुरंत ठोस कदम नहीं उठाए तो भविष्य में आगजनी की घटना अथवा आने वाला एक छोटा सा भूकंप भी हमारे विकास के सभी दावों को मलबे में बदल देगा। ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

अनियोजित शहरीकरण से हादसों को निमंत्रण

विश्लेषण

डॉ. चंद्र त्रिखा
वरिष्ठ स्तंभकार

विकास की इस तेज भागदौड़ में हम यह बुनियादी बात भूल जाते हैं कि शहर केवल ईंट, पत्थर, सीमेंट और लोहे के बेजान ढांचे नहीं हैं; बल्कि ये एक जीती-जागती व्यवस्था हैं। इस व्यवस्था को सही ढंग से चलने और सुरक्षित रहने के लिए एक दूरदर्शी योजना की बहुत जरूरत होती है। आज हमारे शहर बिना किसी सही योजना के जिस तरह से फैल रहे हैं, वह किसी भी समय जानलेवा हादसे का कारण बन सकता है। ऐसे में सबसे बड़ी नाकामी 'भवन निर्माण के नियमों' की अनदेखी के रूप में सामने आती है, जो हमारे शहरों को एक सुलगते ज्वालामुखी में बदल रही है। भवन निर्माण के नियम किसी भी सुनियोजित शहर की रीढ़ होते हैं। ये वे कानूनी और तकनीकी दिशा-निर्देश हैं जो यह पक्का करते हैं कि कोई भी इमारत रहने वालों के लिए पूरी तरह से सुरक्षित हो।

शहरों का विकास आधुनिक युग की एक बड़ी और सुखद सच्चाई है। हर दिन हजारों लोग एक बेहतर जिंदगी, रोजगार, अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की आस में गांवों से शहरों की तरफ आ रहे हैं। ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें और चमक-दमक वाली जीवनशैली शहरों को बहुत आकर्षक बनाती है। लेकिन, विकास की इस तेज भागदौड़ में हम यह बुनियादी बात भूल जाते हैं कि शहर केवल ईंट, पत्थर, सीमेंट और लोहे के बेजान ढांचे नहीं हैं; बल्कि ये एक जीती-जागती व्यवस्था हैं। इस व्यवस्था को सही ढंग से चलने और सुरक्षित रहने के लिए एक दूरदर्शी योजना की बहुत जरूरत होती है। आज हमारे शहर बिना किसी सही योजना के जिस तरह से फैल रहे हैं, वह किसी भी समय जानलेवा हादसे का कारण बन सकता है। ऐसे में सबसे बड़ी नाकामी 'भवन निर्माण के नियमों' की अनदेखी के रूप में सामने आती है, जो हमारे शहरों को एक सुलगते ज्वालामुखी में बदल रही है। भवन निर्माण के नियम किसी भी सुनियोजित शहर की रीढ़ होते हैं। ये वे कानूनी और तकनीकी दिशा-निर्देश हैं जो यह पक्का करते हैं कि कोई भी इमारत रहने वालों के लिए पूरी तरह से सुरक्षित हो। इन नियमों में कई महत्वपूर्ण बातें शामिल होती हैं। जैसे कि इमारत के चारों ओर छोड़ी जाने वाली खाली जगह, जमीन के अनुपात में निर्माण की अधिकतम सीमा, आग से बचाव के पुख्ता इंतजाम, भूकंप सहने की क्षमता, और आपात स्थिति में बाहर निकलने के सुरक्षित रास्ते। इसके पीछे का उद्देश्य केवल सुरक्षा नहीं होता, बल्कि यह भी होता है कि पड़ोसियों को भी पर्याप्त धूप और हवा मिल सके। जब शहरों का फैलाव बिना किसी पक्की योजना के, रातों-रात मनमाने तरीके से होता है, तो सबसे पहले इन्हीं नियमों की बलि चढ़ाई जाती है।

नियमों की हो रही अनदेखी

ज्यादा मुनाफे की चाहत और जगह की कमी के नाम पर निर्माण करने वाले ठेकेदार और खुद भवन मालिक भी इन नियमों को ताक पर रख देते हैं। नतीजा यह होता है कि तंग गलियों में बहुमंजिला इमारतें खड़ी कर दी जाती हैं, जिनमें न तो हवा आने का कोई रास्ता होता है और न ही धूप का। इस अनदेखी का सीधा असर उन खौफनाक हादसों के रूप में सामने आता है, जो अब हमारे शहरों की रोजमर्रा की कहानी बन चुके हैं। बहुमंजिला इमारतों में भयानक आग लगने या उनके भरभरा कर गिर जाने की दर्दनाक खबरें अब आम हो गई हैं। आवासीय इलाकों में बिना सोचे-समझे व्यावसायिक गतिविधियां और कारखाने खोल दिए जाते हैं। ऐसे में जब कभी आग लगती है, तो संकरी गलियों के कारण दमकल की गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच पातीं। इन इमारतों में संकट के समय बाहर निकलने के रास्ते या तो होते ही नहीं, या उन पर फालतू सामान रखकर रास्ता रोक दिया जाता है।

दम घुटने से ज्यादा मौतें

हवा के आने-जाने का सही रास्ता न होने के कारण आग लगने पर लोग लपटों से कम, और जहरीले धुएं से दम घुटने के कारण ज्यादा जान गंवाते हैं। इसी तरह, कमजोर नींव, घटिया निर्माण सामग्री और बिना अनुमति के बनाई गई अतिरिक्त मंजिलों के कारण कई इमारतें ताश के पत्तों की तरह ढह जाती हैं। जब इमारत बनाने से पहले मिट्टी की जांच और ढांचे की मजबूती परखने जैसे जरूरी कामों को नजरअंदाज किया जाता है, तो भूकंप का एक हल्का झटका या तेज बारिश भी भारी तबाही ला सकती है। बिना योजना के बसाए गए शहर जलभराव जैसी गंभीर मुसीबतों का भी मुख्य कारण हैं। भवन निर्माण नियमों में पानी की निकासी और बारिश के पानी को सहेजने के सख्त नियम होते हैं। अवैध निर्माण की होड़ में प्राकृतिक जल स्रोतों, नालों और तालाबों को मिट्टी से भरकर वहां ईंट-पत्थर के जंगल खड़े कर दिए जाते हैं।

जमा पानी की निकासी नहीं

इसका नतीजा यह होता है कि थोड़ी सी बारिश में ही पूरा शहर पानी में डूबने लगता है। पानी के निकलने का कोई रास्ता न बचने के कारण इमारतों के निचले हिस्सों में पानी भरने से होने वाली मौतें अब एक डरावनी सच्चाई बन गई हैं। यह सीधे तौर पर नगर नियोजन या शहर बसाने की योजना का मजाक उड़ाने का परिणाम है। यह डरावनी स्थिति एक-दो दिन में पैदा नहीं हुई है। इसके पीछे ढीली प्रशासनिक अव्यवस्था, लापरवाह नगर निगम और लालची जमीन माफियाओं का भ्रष्ट गठजोड़ जिम्मेदार है। दिन के उजाले में खुलेआम अवैध निर्माण होता रहता है और जिम्मेदार अधिकारियों की आंखों पर भ्रष्टाचार की पट्टी बंधी रहती है। रिश्वत और पहुंच के दम पर नियमों के खिलाफ बनी इमारतों को भी निर्माण पूरा होने का प्रमाणपत्र और अनापत्ति प्रमाणपत्र आसानी से मिल जाते हैं। सस्ते घर के लालच में लोग ऐसी इमारतों में अपने जीवन भर की गाढ़ी कमाई लगा देते हैं, जो कभी भी उनके लिए जानलेवा साबित हो सकती हैं। अब वह समय आ गया है कि बिना योजना के बढ़ते शहरीकरण और नियमों की अनदेखी पर गंभीरता से विचार किया जाए। नगर निगमों और विकास प्राधिकरणों को अपनी जिम्मेदारी सख्ती से समझनी और निभानी होगी। नियम तोड़ने वाले ठेकेदारों और भ्रष्ट अधिकारियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

अवैध निर्माण वैध करना गलत

जुर्माना लेकर अवैध निर्माण को वैध कर देने की गलत परंपरा को तुरंत बंद करना होगा। हवाई सर्वेक्षण और उपग्रह से प्राप्त चित्रों जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करके अवैध निर्माणों को शुरुआत में ही रोका जाना चाहिए। घर खरीदते या बनाते समय यह जांचना हर नागरिक का भी फर्ज है कि वह इमारत सभी कानूनी और सुरक्षा मानकों पर खरी उतरती हो। यदि बिना सोचे-समझे हो रहे शहरीकरण पर नियमों का सख्ती से पालन नहीं हुआ, तो ये बेतरतीब जंगल इसी तरह दर्दनाक हादसों को न्योता देते रहेंगे।

खास बातें

- भवन निर्माण के नियम हमारे और परिवार के जीवन की सुरक्षा की गारंटी
- संकरी गलियों के कारण दमकल की गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच पातीं।
- नगर निगम और जमीन माफियाओं का भ्रष्ट गठजोड़ असली जिम्मेदार
- शहरों को सुरक्षित बनाने के लिए नियमों का पालन ही एकमात्र विकल्प

शहरीकरण की भूख से बर्बाद हो रहा मानव जीवन

हादसा

योगेश कुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार

बढ़ती जनसंख्या के कारण शहरी सुविधाओं पर बढ़ते दबाव और हादसों का सबसे बड़ा कारण अनियोजित और अनियंत्रित शहरीकरण है, जिसके चलते बुनियादी ढांचा जिसमें सड़कें, सीवर, बिजली शामिल हैं-यह सब चरमरा जाता है। इससे भीड़भाड़, यातायात के दबाव और असुरक्षित निर्माण जैसे हादसे होते हैं। सीमित सड़कों पर वाहनों की भारी भीड़ और पैदल यात्रियों के मिश्रण से सड़क दुर्घटनाएं बढ़ती हैं। बुनियादी ढांचे के अभाव में लोग अवैध, अनियोजित और कमजोर इमारतों में रहने को मजबूर होते हैं, जो ढहने या आग लगने जैसे हादसों का कारण बनती हैं। क्षमता से अधिक भार के कारण बिजली के शॉर्ट-सर्किट और आग लगने जैसी घटनाएं आम हो जाती हैं। जनसंख्या बढ़ने और कंक्रीट के जंगल बनने से बारिश के पानी की सही निकासी नहीं होती, जिससे सड़कों पर जलभराव, गड्ढे और करंट फैलने के घातक हादसे होते हैं।

यदि महानगरों की बात करें तो वह नब्बे प्रतिशत से अधिक अवैध रूप से इमारतें बनती हैं। चूंकि बिना नक्शे की बिल्डिंग बनाना हर किसी के लिए संभव नहीं हैं, जिसके चलते लोग नगर निगम के अधिकारियों को रिश्वत देकर बिना नक्शे की इमारत बना लेते हैं। लोगों की हवस यहां तक भी नहीं रुकती- पार्किंग के साथ चार फ्लोर तक बना सकते हैं, लेकिन कुछ पांच से सात फ्लोर तक बना लेते हैं और कई लोगों की जान जोखिम में डाल देते हैं। जब हादसा होता है तो कई लोग बेमौत मारे जाते हैं। नियम को अनदेखी करना जैसे लोगों की फितरत में शामिल हो गया। अब भवन निर्माण उपनियम आया तो लोगों के घर टूट रहे हैं जिससे अब लोग परेशान हो रहे हैं। इसमें लोगों की भी गलती नहीं मानी जा सकती ,चूंकि जैसा सिस्टम था, वह उनके अनुसार ही चल रहे थे लेकिन उन्हें क्या पता था कि जब सत्ता बदलती है तो बहुत कुछ बदलता है- मरना अंत में जनता का ही होता है। नक्शे व संबंधित डॉक्यूमेंट में यह स्पष्ट होता है कि इन खसरों पर किसी भी भवन या भूखंड का मानचित्र प्राधिकरण में स्वीकृत नहीं हो सकता। यहां बने निर्माण पूरी तरह अवैध हैं, इन क्षेत्रों में बिजली, पानी, सीवर, सड़क और नाली जैसी मूलभूत सुविधाएं भी प्राधिकरण की ओर से उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। लोगों से कहा है कि किसी भी जमीन या भवन की खरीद-बिक्री से पहले उसकी स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त करें।ल बावजूद इसके बिल्डर धडल्ले से इमारत बना कर बेचते हैं और आश्चर्य की बात कि लोग खरीदते भी हैं। सीलिंग के बाद भी यहां बिजली पानी के मीटर तक लग जाते हैं। यदि हम हिन्दुस्तान के परिवेश में चर्चा करें तो हमारे यहां जनसंख्या का बेहद तेजी से बढ़ना जारी है तो उस आधार पर सरकारों को जनता के लिए जगह की व्यवस्था करनी होती है। इसके चलते जंगल का पर्यावरण बर्बाद किया जा रहा है। इसके अलावा प्रदूषण हमारा सबसे बड़ा दुश्मन है । देश की तरक्की व जनता की जरूरत के लिए ऐसे मुद्दों की गंभीरता न समझना मानव जीवन पर ही भारी पड़ रहा है। मनुष्य की शहरीकरण की भूख ने इतनी हानि पहुंचा दी कि उसको यह मालूम ही नहीं पड़ा कि वो कब काल के गर्भ में प्रवेश कर गया। यदि महानगरों की जीवनशैली व यापन की चर्चा करें तो यहां पिछले दो दशकों कम आयु में होने वाली मौतों के आंकड़ों ने चौंका दिया। मनुष्य की आयु का घटना लगातार जारी है। इंसान की उम्र करीब सौ वर्ष होती थी, लेकिन आज के दौर में साठ साल पर आकर सीमित रह गई। वैज्ञानिकों के अनुसार लगातार हो रही आपदाओं के लिए प्राकृतिक संसाधनों के बेहद अधिक इस्तेमाल को जिम्मेदार ठहराया है। उनका मानना है कि आज स्थिति के आधार पर हमारी धरती अपने भार से कहीं अधिक भार वहन कर रही है। अगर यही हाल रहा तो अगले दशकभर में धरती रहने लायक नहीं बचेगी, लेकिन मनुष्य आज भी सही राह पर चले तो वो अपना भविष्य सुधार सकता है। हर रोज न जाने कितने परिवार बर्बाद हो जाते हैं। वैश्विक सरकारों के माध्यम से पर्यावरण के प्रति जागरूकता और प्रकृति और पृथ्वी के संरक्षण के लिए तमाम कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। हमारे देश में भी इसको बेहद गंभीर मुद्दा माना जा रहा है, लेकिन कुछ देर ही जागरूक होकर फिर पुराने ढर्रे पर आ जाते हैं, जिससे हम सही दिशा पर नहीं आ पा रहे हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं हैं कि सरकार ऐसे मामलों में एक बड़ा बजट पारित करती है व इसके प्रति गंभीर भी रहती हैं। इसके लिए केन्द्र व राज्य स्तर पर विभाग कार्यरत भी हैं, लेकिन हम उतनी संजीदगी से इस बात की गंभीरता नहीं समझ पा रहे, जितने की जरूरत है। सरकार को कोई ऐसा नियम निकालना चाहिए, जिससे शहरों में नियम-कानून के साथ इमारत बनें। यदि किसी जगह आग लग जाती है तो शहरों की छोटी तो छोड़ो, बड़ी गलियों तक में एंबुलेंस नहीं जा पाती, चूंकि लोगों ने सड़कों को घेरा हुआ है।

देश की तरक्की व जनता की जरूरत के लिए ऐसे मुद्दों की गंभीरता न समझना मानव जीवन पर ही भारी पड़ रहा है। शहरीकरण की भूख ने इतनी हानि पहुंचा दी कि मनुष्य को यह मालूम ही नहीं पड़ा कि वो कब काल के गर्भ में प्रवेश कर गया।

भ्रष्ट नियामक और वास्तु का क्रेज

विरोधाभास

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में छोटे कस्बों से लेकर महानगरों तक, भवन निर्माण नियमों का पालन एक सपना बनकर रह गया है। जहां एक ओर नियामक संस्थाएं कानून की रखवाली का दायित्व निभाने के बजाय भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुकी हैं, वहीं दूसरी ओर आम आदमी वास्तु शास्त्र के नाम पर 'परिपूर्ण' घर बनाने की होड़ में लगा हुआ है। यह विरोधाभास न केवल शहरी नियोजन को चुनौती दे रहा है, बल्कि सुरक्षा, पर्यावरण और सामाजिक न्याय के सवाल भी खड़े कर रहा है।

भारतीय शहरों में अनधिकृत निर्माण की समस्या कोई नई नहीं है। हर बड़े और छोटे शहर में यही कहानी दोहराई जाती है। भवन निर्माण नियम भूतल क्षेत्र अनुपात, पीछे हटाव, ऊंचाई सीमा, वाहन पार्किंग स्थान, अग्नि सुरक्षा और पर्यावरणीय मानकों को तय करते हैं, लेकिन इनका उल्लंघन आम बात है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अवैध निर्माण बिल्डर और सरकारी अधिकारी के गठजोड़ से फलते-फूलते हैं। बिल्डर सुरक्षा प्रमाण पत्र जमा करते हैं, अधिकारी आंखें मूंद लेते हैं और खरीदार अंत में फंसता है। छोटे शहरों में स्थिति और बदतर है। यहां नगर पालिकाएं संसाधनों की कमी और स्थानीय दबाव के आगे घुटने टेक देती हैं। एक साधारण प्लॉट पर मंजूरी से दोगुनी मंजिलें चढ़ जाती हैं। अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी से बड़े हादसे होते हैं। बड़े शहरों में ऊंची इमारतों वाले अपार्टमेंट में प्रवेश कक्ष और तहखाने को व्यावसायिक स्थान में बदल दिया जाता है। कई कॉलोनियों में तहखाना वाहन पार्किंग स्थान की जगह दुकानें देखी जा सकती हैं। मुंबई में आदर्श सोसाइटी कांड या चेन्नई में इमारत गिरने की घटनाएं इस सड़ांध को उजागर करती हैं। देश भर के विभिन्न हिस्सों में यही स्थिति है, जहां नियमों की अनदेखी आम हो गई है। नियामक संस्थाएं भ्रष्टाचार का अड्डा क्यों बनीं? कारण स्पष्ट हैं- राजनीतिक दखल, कमीशन की संस्कृति और जवाबदेही का अभाव। भवन अनुमोदन प्रक्रिया में स्वयं प्रमाणन का चलन बढ़ा है, जहां इंजीनियर का प्रमाण पत्र ही काफी माना जाता है। स्थल निरीक्षण नाममात्र का होता है। पारदर्शिता की कमी और डिजिटल निगरानी का अभाव समस्या को बढ़ाता है। एक अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट बताती है कि शहरी नियोजन में रिश्वतखोरी की पिरामिड संरचना काम करती है, निचले स्तर से ऊपरी स्तर तक। इस बीच, वास्तु शास्त्र का क्रेज आसमान छू रहा है। लोग नए घर या कार्यालय बनाते समय दिशाओं, रंगों, सामग्री और 'ऊर्जा प्रवाह' का ख्याल रखने लगे हैं। वास्तु सलाहकारों की फीस लाखों में पहुंच गई है। देश के विभिन्न महानगरों में 'वास्तु अनुरूप' संपत्तियों की मांग बढ़ी है। बिल्डर विपणन में इसे अनोखी विशेषता बना रहे हैं-'उत्तर मुखी', 'सकारात्मक ऊर्जा' वाले फ्लैट। आज कई परिवार घर खरीदते या बनाते समय वास्तु विशेषज्ञ बुलाते हैं, लेकिन निर्माण नियमों की अनदेखी करते हैं। नतीजा? भूकंप या आग में जान-माल का नुकसान। वास्तु अच्छा है-यह प्राचीन भारतीय विज्ञान पर्यावरण और मनोविज्ञान को जोड़ता है-लेकिन जब यह भ्रष्ट निर्माण को सही ठहराने का बहाना बन जाए, तो समस्या गहरी हो जाती है। बिल्डर 'वास्तु अनुरूप' कहकर अवैध विस्तार बेचते हैं, जबकि अग्नि निकास या संरचनात्मक सुरक्षा की परवाह नहीं करते। देश के कई इलाकों में वास्तु के नाम पर अतिरिक्त बालकनी या कमरे जोड़े जा रहे हैं, जो इमारत की मजबूती को कमजोर कर देते हैं। इससे शहरों की सौंदर्यता बिगड़ रही है और यातायात जाम बढ़ रहा है। पर्यावरण की दृष्टि से भी यह हानिकारक है, क्योंकि हरे-भरे स्थान घिर रहे हैं। समाधान क्या है? सबसे पहले, भवन निर्माण नियमों को सरल, डिजिटल और पारदर्शी बनाना होगा। भौगोलिक सूचना प्रणाली, ड्रोन सर्वेक्षण और ऑनलाइन मंजूरी प्रणाली लागू करें। भ्रष्ट अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई, आपराधिक दायित्व और तीसरी पक्ष की जांच जरूरी है। वास्तु को वैज्ञानिक दृष्टि से बढ़ावा दें-इसे सतत वास्तुकला का हिस्सा बनाएं, न कि अंधविश्वास का, लेकिन अंधविश्वास और नियमों की अनदेखी खतरनाक है। देश के प्रख्यात वास्तुकार उज्ज्वल उपाध्याय कहते हैं कि सरकारें स्मार्ट शहर, अमृत 2.0 जैसी योजनाओं में भवन संहिता लागू करने पर ध्यान केंद्रित करें। जन जागरूकता अभियान चलाएं, ताकि खरीदार नियम जांचें।

अगर हम नियमों का पालन करें और वास्तु को समझदारी से अपनाएं, तो ही स्वस्थ, सुंदर और सुरक्षित शहर बना पाएंगे। साफ है कि मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और नागरिक जागरूकता से ही यह समस्या हल हो सकती है।

आज कई परिवार घर बनाते समय वास्तु विशेषज्ञ बुलाते हैं, लेकिन निर्माण नियमों की अनदेखी करते हैं। अगर हम नियमों का पालन करें और वास्तु को समझदारी से अपनाएं, तो ही सुंदर और सुरक्षित शहर बना पाएंगे। साफ है कि मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और नागरिक जागरूकता से ही यह समस्या हल हो सकती है।

बिल्डिंग बायलॉज का कड़ाई से हो पालन

व्यवस्था

डॉ. विजेंद्र कुमार
स्वतंत्र स्तंभकार

विकास की अत्यंत तेज रफ्तार ने हमारे शहरों को आसमान छूती ऊंची इमारतों और कंक्रीट के विशाल जंगलों में बदल दिया है। दूर से देखने पर ये शहर भले ही बहुत आधुनिक और प्रगतिशील लगते हैं, लेकिन इनकी नींव में एक ऐसी भयंकर लापरवाही छिपी है, जो किसी भी पल एक बहुत बड़ी तबाही ला सकती है। आज हमारे शहर भूकंप के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हो चुके हैं।

विडंबना यह है कि इन शहरों में भूकंप से बचाव करने वाली तकनीक और इससे जुड़ी संस्थाओं की भारी कमी है। स्थिति इतनी नाजुक और चिंताजनक हो चुकी है कि एक छोटा या मध्यम गति का भूकंप भी हमारे शहरों में बहुत बड़े हादसों का कारण बन सकता है। ऐसे में 'भवन निर्माण के नियमों' का वास्तविक महत्व और उनका पूरी कड़ाई से पालन करना हमारे लिए बेहद जरूरी हो जाता है। हमारे देश का एक बहुत बड़ा हिस्सा भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्रों के अंतर्गत आता है। विशेष रूप से उत्तर भारत, हिमालय के आसपास के पहाड़ी इलाके और कई घनी आबादी वाले बड़े शहर उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में बसे हुए हैं। इन इलाकों में तेजी से बढ़ती हुई आबादी और बिना किसी उचित योजना के हो रहे शहरीकरण ने खतरे को कई गुना अधिक बढ़ा दिया है। शहरों में जगह की भारी कमी और ज्यादा मुनाफा कमाने के लालच में लोग संकरी गलियों के भीतर भी कई मंजिला इमारतें खड़ी कर रहे हैं। इन इमारतों को बनाते समय न तो मिट्टी की मजबूती की ठीक से जांच की जाती है और न ही दो इमारतों के बीच आवश्यक दूरी छोड़ी जाती है। यह हमारी उस लापरवाह सोच का नतीजा है जो मुसीबत आने से पहले उसकी तैयारियों को पूरी तरह नजरअंदाज कर देती है। किसी भी शहर के सुरक्षित, व्यवस्थित और सुनियोजित विकास के लिए 'भवन निर्माण के नियम' बनाए जाते हैं। इन नियमों में मुख्य रूप से इमारत की ऊंचाई, नींव की गहराई, इस्तेमाल होने वाली सामग्री की गुणवत्ता, हवा-रोशनी की उचित व्यवस्था, आपात स्थिति में बाहर निकलने के रास्ते और भूकंप से बचाव के मापदंड तय होते हैं। इनका एकमात्र उद्देश्य प्राकृतिक आपदा के समय जान और माल के नुकसान को कम करना है। हकीकत यह है कि ये महत्वपूर्ण नियम अक्सर केवल सरकारी फाइलों तक ही सीमित रह जाते हैं। भ्रष्टाचार और प्रशासनिक ढिलाई के कारण इनकी खुलेआम अनदेखी होती है। नक्शे में जो डिजाइन कागजों पर दिखाया जाता है, असल निर्माण उससे बिल्कुल अलग होता है। कई बार ठेकेदार बिना किसी विशेषज्ञ की सलाह लिए मनमाने तरीके से इमारतें तान देते हैं। भूकंप के खतरों की गंभीरता को देखते हुए हर नई इमारत का निर्माण भूकंपरोधी तकनीक से होना चाहिए, लेकिन आज भी आम आदमी इसे एक फालतू खर्च मानता है और इससे बचने का हर संभव प्रयास करता है। इसके अलावा देश में ऐसे कुशल इंजीनियरों, राजमिस्त्रियों और निर्माण संस्थाओं की भारी कमी है, जिन्हें इस तकनीक का सही और व्यावहारिक ज्ञान हो। हमारे पास ऐसी संस्थाओं का भी घोर अभाव है जो पुरानी और कमजोर पड़ चुकी इमारतों को नई तकनीक के माध्यम से सस्ती दरों पर मजबूत बना सकें। हम अक्सर यह सोचकर बेफिक्र हो जाते हैं कि केवल बहुत तेज भूकंप ही तबाही लाता है, लेकिन हमारे शहरों की वर्तमान बनावट और कमजोर ढांचे को देखते हुए यह सोच जानलेवा है। जब इमारतें बुनियादी सुरक्षा मानकों के बिना, खराब सामग्री से और नियमों को पूरी तरह ताक पर रखकर बनी हों, तो छोटी गति का भूकंप भी विनाशकारी साबित हो सकता है। संकरी गलियों में एक-दूसरे से बिल्कुल सटी हुई इमारतें जब हिलती हैं, तो उनके आपस में टकराने से वे बहुत आसानी से ढह सकती हैं। मलबे के कारण रास्ते पूरी तरह बंद हो जाते हैं और बचाव कार्य के लिए दमकल की गाड़ियों या एंबुलेंस का पहुंचना लगभग असंभव हो जाता है। हम एक बारूद के ढेर पर बैठे हैं जहां धरती का हल्का झटका भी हजारों जिंदगियों को मलबे में दबा सकता है। इस बड़े खतरे से निपटने के लिए हमें युद्ध स्तर पर काम करने की बहुत सख्त जरूरत है। सरकार को यह पक्का करना होगा कि भवन निर्माण नियमों का पालन सिर्फ दिखावा न रहे। नियम तोड़ने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई हो। पुरानी और व्यावसायिक इमारतों के ढांचे की मजबूती की नियमित जांच अनिवार्य रूप से की जाए।

हर नई इमारत का निर्माण भूकंपरोधी तकनीक से होना चाहिए, लेकिन आज भी आम आदमी इसे एक फालतू खर्च मानकर इससे बचने का प्रयास करता है। इसके अलावा, देश में ऐसे कुशल इंजीनियरों, राजमिस्त्रियों की भारी कमी है, जिन्हें इस तकनीक का सही और व्यावहारिक ज्ञान हो

उरुग्वे टूर्नामेंट से बाहर, नॉकआउट में स्पेन

स्पेन ने 1-0 से हराया

गुआडालाजारा। स्पेन ने गोलकीपर फर्नांडो मुसलेरा की एक और गलती का फायदा उठाते हुए उरुग्वे को 1-0 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया और दक्षिण अमेरिका की दिग्गज टीम को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। दो बार की चैंपियन उरुग्वे की टीम ग्रुप एच में एक भी मैच नहीं जीत सकी। यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने सात अंकों के साथ ग्रुप में पहला स्थान हासिल किया और अगले दौर में उसका सामना गुरुवार को कैलिफोर्निया के इंगलवुड में ग्रुप जे से दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम (ऑस्ट्रिया या अल्जीरिया) से होगा। स्पेन के लिए एलेक्स बाएना ने 42वें मिनट में गोल दागा, जब मुसलेरा पेनल्टी एरिया के अंदर से लगाए गए उनके शॉट को रोकने में नाकाम रहे जबकि यह मुश्किल नहीं लग रहा था। 40 वर्षीय मुसलेरा की यह टूर्नामेंट में तीसरी गलती थी, जिसके बाद कोच मार्सेलो बिएल्सा ने उन्हें हाफ टाइम में ही बाहर कर दिया।

सेनेगल ने की इराकी टीम पर गोलों की बारिश

5-0 से दर्ज की जीत

टोरंटो। स्थानापन्न खिलाड़ी पेप गुये के दो गोल की मदद से सेनेगल ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे इराक पर 5-0 की शानदार जीत हासिल करके विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। इराक के रेबिन सलाका को 13वें मिनट में ही लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया था और इसके बाद उसे 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा, जिसका सेनेगल ने पूरा फायदा उठाया। सेनेगल की तरफ से हबीब दियारा ने चौथे मिनट में ही गोल कर दिया था। इससे वह मध्यांतर तक 1-0 से आगे था। उसने दूसरे हाफ में गोल की झड़ी लगा दी। इस्माइल सर्र ने 56वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद पेप गुये ने 59वें और 71वें मिनट में गोल किए। उसकी तरफ से आखरी गोल 82वें मिनट में इलिमन नदिये ने किया। सेनेगल ग्रुप आई में फ्रांस और नॉर्वे से हार गया था लेकिन इराक पर जीत से उसने तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए।

केप वर्दे नॉकआउट में पहुंचने वाला सबसे छोटा देश

सऊदी अरब से खेला ड्रॉ

ह्यूस्टन। केप वर्दे ने अपना स्वप्निल अभियान जारी रखते हुए सऊदी अरब के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला और इस तरह से विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट राउंड में पहुंचने वाला सबसे छोटा देश बन गया। उसकी यह उपलब्धि 40 वर्षीय गोलकीपर वोजिन्हा के शानदार खेल के दम पर संभव हुई है, जिन्होंने अपने देश की दृढ़ता का प्रतीक बनकर सबको प्रभावित किया है। वोजिन्हा ने कहा, हम भले ही (क्षेत्रफल में) छोटे हैं, लेकिन हमारे दिल बहुत बड़े हैं। हम हार नहीं मानते। हम जुझारू हैं।' केप वर्दे ने ग्रुप एच में अपने तीनों मैच ड्रॉ कराए, जिससे वह स्पेन के बाद दूसरे स्थान पर रहकर आगे बढ़ने में सफल रहा। इस ग्रुप में उरुग्वे और सऊदी अरब दो-दो अंक ही हासिल कर पाए और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। अफ्रीका के पश्चिमी तट पर स्थित छोटा द्वीपीय राष्ट्र केप वर्दे फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर पहली बार खेल रहा है।

मिस्र ने पहली बार बनाई राउंड ऑफ 32 में जगह

सिएटल। मिस्र ने महमूद साबेर के शुरू में किए गए गोल के बावजूद कुछ विषम पलों से गुजरते हुए ईरान के खिलाफ बेहद महत्वपूर्ण मैच को 1-1 से ड्रॉ खेला और पहली बार विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में जगह बनाई। ईरान ने गोल करने के अधिक मौके बनाए। इनमें संभावित विजयी गोल भी शामिल था, जिसे ऑफसाइड के कारण रद्द कर दिया गया। उसे अब अपने भाग्य का पता लगाने के लिए एक दिन इंतजार करना होगा जब टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रहने वाली सर्वश्रेष्ठ आठ टीम का निर्धारण होगा। मिस्र ने पांचवें मिनट में साबेर के गोल से शुरुआती बढ़त हासिल कर ली। मोहम्मद सालाह ने बॉक्स के अंदर शानदार खेल दिखाया, जिसके बाद साबेर ने ईरान के गोलकीपर अलीरेजा बेइरानवंद के पैरों के बीच से शॉट मारकर गोल कर दिया। ईरान ने नौ मिनट बाद रामिन रेज़ेयान के गोल से मैच को बराबरी पर ला दिया। उसने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के तीसरे मिनट में विजयी गोल कर दिया था जब शोजा खलीलज़ादेह ने गोल में शॉट लगाया, लेकिन वीडियो समीक्षा के बाद उसे ऑफसाइड करार दिया गया। अगर यह गोल मान्य होता तो ईरान नॉकआउट राउंड में अपनी जगह पक्की कर लेता।

डेम्बेले ने रचा इतिहास, फ्रांस की नार्वे पर 4-1 से धमाकेदार जीत

32 साल बाद पहले हाफ में हैट्रिक

एजेंसी ▶▶| फॉक्सबोरो

स्ट्राइकर उस्मान डेम्बेले ने पहले हाफ में ही हैट्रिक बनाई, जिससे फ्रांस ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप आई में नॉर्वे को 4-1 से हराकर अपना विजय अभियान जारी रखा। डेम्बेले ने सातवें, 20वें और 32वें मिनट में गोल किए। उनके एक गोल में काइलियन एमबाप्पे ने मदद की।

विश्व कप में पिछले 32 वर्षों में यह पहला अवसर था जबकि किसी खिलाड़ी ने पहले हाफ में ही हैट्रिक बनाई। इससे पहले 1994 में अमेरिका में खेले गए विश्व कप में रूस के फॉरवर्ड ओलेग सालेन्को ने कैमरून के खिलाफ अपने पांच में से तीन गोल शुरुआती 45 मिनट में किए थे। डेम्बेले इस तरह से लियोनेल मेस्सी और अपने साथी एमबाप्पे के साथ गोल्डन बूट की दौड़ में शामिल हो गए हैं।

फ्रांस की टीम ने बनाए रखा दबदबा

डेम्बेले ने कहा, 'यह एक अनूठा क्षण है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि हमने ग्रुप चरण में पहल स्थान पर रहकर अगले दौर में प्रवेश किया। अब हमारा ध्यान अगले मैच पर है, जो सबसे महत्वपूर्ण है।' फ्रांस और नॉर्वे पहले ही नॉकआउट चरण में जगह पक्की कर चुके थे और इस मैच से ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम का फैसला होना था। फ्रांस की टीम ने दबदबा बनाए रखा। उसकी तरफ से चौथा गोल दूसरे हाफ के इंजुरी टाइम में डेसिरे डोउ ने किया। नॉर्वे के लिए एकमात्र गोल थैलो आसगार्ड ने 21वें मिनट में किया। फ्रांस ने तीन मैचों में 10 गोल किए हैं। डेम्बेले ने कहा, 'हम अपने सभी मैच जीतना चाहते हैं, लेकिन हम अपना ध्यान केंद्रित रखेंगे।'

बेल्जियम की न्यूजीलैंड पर बड़ी जीत, ग्रुप जी में शीर्ष पर

वैंकूवर। लिएंड्रो ट्रोसार्ड (28वें और 50वें मिनट) के दो गोल की बदौलत बेल्जियम ने विश्व कप फुटबॉल में धीमी शुरुआत के बावजूद न्यूजीलैंड पर 5-1 से जीत हासिल कर नॉकआउट दौर में प्रवेश किया। इस जीत से बेल्जियम ने पांच अंकों के साथ ग्रुप जी में शीर्ष स्थान हासिल किया और वह अगले दौर में बुधवार को सिएटल में तीसरे स्थान पर रहने वाली सर्वश्रेष्ठ आठ टीमों में से किसी एक टीम का सामना करेगा। ग्रुप जी में मिस्र ने भी पांच अंक हासिल किए लेकिन वह बेल्जियम से गोल अंतर में पीछे रहने के कारण दूसरे स्थान पर रहा। केविन डी ब्रुइन (66वें), रोमेलु लुकाकू (86वें) और एलेक्सिस सैलेमेकर्स (इंजरी टाइम के चौथे मिनट) ने भी बेल्जियम के लिए गोल किए। इससे उसने बड़ी जीत सुनिश्चित करके ग्रुप में पहला स्थान भी हासिल कर लिया। बेल्जियम चार साल पहले कतर में खेले गए विश्व कप में ग्रुप चरण से ही बाहर हो गए था, जबकि उसने रूस में विश्व कप 2018 में तीसरा स्थान हासिल किया था। न्यूजीलैंड के लिए एलिजा जस्ट ने 84वें मिनट में गोल किया। उसे नॉक आउट चरण में जगह बनाने के लिए इस मैच में जीत की दरकार थी लेकिन अब उसे वापस घर लौटना होगा।

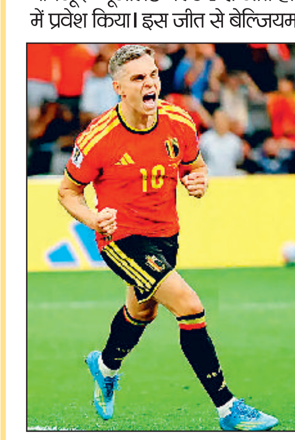

खबर संक्षेप

देविका ने किया उलटफेर रिको गुंजी को हराया

फुलर्टन। देविका सिहाग ने जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त रिको गुंजी को हराकर बड़ा उलटफेर करके अमेरिकी ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जबकि रौनक चौहान ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अंतिम चार में जगह बनाई। देविका ने महिला एकल क्वार्टरफाइनल में दोनों गेम के अंतिम क्षणों में संयम बनाए रखते हुए गुंजी को 22-20, 21-19 से हराया। रौनक चौहान ने इजरायल के मिशा जिल्बरमैन को सिर्फ 38 मिनट में 23-21, 21-11 से पराजित किया। वह पहली बार किसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। इसके बाद अनुभवी खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने एक अन्य क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के लियाओ झूओ-फू को 21-9, 12-21, 21-8 से हराकर रविवार को भारत के दो खिलाड़ियों के बीच फाइनल की उम्मीदें बढ़ा दीं।

963 दिन बाद वापसी फीकी, जीत के साथ दौरा खत्म करना चाहेंगे अय्यर

एजेंसी ▶▶| बेलफास्ट

आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले में चौकाने वाली हार का सामना करने के बाद भारत की स्टार खिलाड़ियों से सजे शीर्ष बल्लेबाज़ी क्रम पर रविवार को होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव होगा। श्रेयस अय्यर की टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 963 दिनों बाद वापसी और राष्ट्रीय टीम की कप्तानी की शुरुआत उतनी अच्छी नहीं रही। वह बुधवार से चेस्टर-ले-स्ट्रीट में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला शुरू होने से पहले आयरलैंड दौरे का समापन जीत के साथ करना चाहेंगे।

बिखरी टीम इंडिया की बल्लेबाजी

भारतीय टीम की सबसे बड़ी समस्या बल्लेबाजी का बिखर जाना रही। तीन महीने पहले विश्व कप में नायक रहे संजू सैमसन सिर्फ चार गेंद खेलकर आउट हो गए। ईशान किशन और अय्यर भी बल्ले से कोई खास योगदान नहीं दे सके। अभिषेक शर्मा ने आक्रामक खेल जारी रखा और अच्छी शुरुआत दी, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से सहयोग नहीं मिला। पावरप्ले के बाद उनका आउट होना भारत की पारी के लिए बड़ा झटका साबित हुआ।

आयरलैंड के खिलाफ मुकाबला आज शाम 6 बजे से

राणा ने किया अच्छा प्रदर्शन

गेंदबाजी में कुछ सकारात्मक बातें भी रहीं। हर्षित राणा ने चोट से वापसी करते हुए 24 रन देकर 3 विकेट के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल ने भी अंतिम ओवरों में बेहतर गेंदबाजी की। टीम को सबसे अधिक नुकसान वॉशिंगटन सुंदर के एक ओवर में 19 रन और प्रसिद्ध कृष्णा के चार ओवरों में 57 रन लुटाने से हुआ। कृष्णा ने पारी के 17वें ओवर में 27 रन दिए।

आयरलैंड का मनोबल ऊंचा

आयरलैंड की ओर से कप्तान लोर्कान टकर ने 50 रन और गैरेथ डेलानी ने 49 रन की अहम पारियां खेलीं, जिससे टीम ने बड़ा स्कोर खड़ा किया। श्रृंखला के शुरुआती मैच में इतिहास रचने के बाद आयरलैंड का मनोबल ऊंचा है, जबकि भारतीय टीम श्रृंखला गंवाने की शर्मनाक स्थिति से बचने के साथ-साथ इंग्लैंड दौरे के लिए अपनी तैयारियों को मजबूत करना चाहेगी।

महिला टी20 वर्ल्ड कप मैच शाम 7 बजे से

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम इंडिया का हाई-वोल्टेज मुकाबला आज

एजेंसी ▶▶| लंदन

महिला टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम 28 जून (रविवार) को लंदन के लॉर्ड्स मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना आखिरी लीग मैच खेलेगी। कप्तान हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में खेल रही भारतीय टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए हर हाल में यह मैच जीतना होगा।

टीम इंडिया ने इस वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज में अभी तक चार मैच खेले हैं, जिसमें से उन्हें 3 में जीत मिली है। वहीं एक में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इस हाई-वोल्टेज मैच को लेकर दोनों देशों के फैंस के बीच भारी उत्साह है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया महिला टीम के बीच हेड टू हेड रिकॉर्ड

भारत और ऑस्ट्रेलिया महिला टीम के बीच टी20 इंटरनेशनल में अभी तक 38 मैच खेले गए हैं, जिसमें से टीम इंडिया को सिर्फ 9 में जीत मिली है। वहीं ऑस्ट्रेलिया 27 मुकाबले जीतने में कामयाब रही है। दोनों टीमों के बीच एक मैच टाई रहा है और एक मैच का रिजल्ट नहीं आया। ये आंकड़े बताते हैं कि ऑस्ट्रेलियाई टीम ने हमेशा से भारतीय महिला टीम पर अपना दबदबा बनाए रखा है। भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए अपने खेल के हर डिपार्टमेंट बैटिंग, बॉलिंग और फील्डिंग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

एशियाई खेलों में मैदान पर उतरेंगे नीरज

एजेंसी ▶▶| भुवनेश्वर

भारतीय भाला फेंक के सुपरस्टार नीरज चोपड़ा सितंबर-अक्टूबर में जापान में होने वाले एशियाई खेलों में अपने खिताब का बचाव करने के लिए मैदान पर उतरेंगे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) की चयन समिति के अध्यक्ष आदिल सुमारीवाला ने इसकी पुष्टि की। चोपड़ा सितंबर 2025 में तोक्यो विश्व चैंपियनशिप से पहले पीठ के निचले हिस्से में लगी चोट से उबर गए हैं। उन्होंने हाल में दोहा डायमंड लीग से अपने सत्र की शुरुआत की, जहां उन्होंने 85.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथा स्थान हासिल किया। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 28 वर्षीय चोपड़ा ने राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेने की पुष्टि तो कर दी थी, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया था कि वह 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में हिस्सा लेंगे या नहीं। सुमारीवाला ने कहा, 'वह (चोपड़ा) राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों दोनों में भाग लेंगे। उन्होंने क्वालीफाई कर लिया है और वह अभी चोट से पूरी तरह उबरने की प्रक्रिया में है।

एफआईएच प्रो लीग

भारत ने की पाकिस्तान पर गोल की वर्षा

पाकिस्तान को दी 7-1 से करारी शिकस्त

एजेंसी ▶▶| लंदन

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए एफआईएच प्रो लीग के लंदन चरण के दूसरे मैच में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7-1 से करारी शिकस्त दी। भारत ने शुरू में गोल खाने के बाद शानदार वापसी की और इसके बाद गोल वर्षा कर दी। उसकी तरफ से सुखजीत सिंह (20वें), हरमनप्रीत सिंह (26वें), हार्दिक सिंह (34वें), जुगराज सिंह (35वें), अभिषेक (41वें), राज कुमार पाल (44वें) और दिलप्रीत सिंह (54वें) ने गोल किए। मिडफील्डर हार्दिक को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

भारतीय खिलाड़ियों ने खेला आक्रामक खेल

भारत ने दूसरे हाफ में अपना दबदबा बरकरार रखा। उसे 34वें मिनट में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर के चलते पेनल्टी मिली, जिसे हार्दिक ने गोल में बदलकर स्कोर 3-1 कर दिया। पाकिस्तान ने लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने उसके प्रयासों को नाकाम कर दिया। भारत ने इसके बाद जवाबी हमला किया। दिलप्रीत ने सुखजीत के साथ शानदार तालमेल बिठाते हुए जुगराज को पास दिया, जिन्होंने 35वें मिनट में शानदार गोल दागकर स्कोर 4-1 कर दिया। भारत ने आक्रामक रवैया जारी रखा, जिसका उसे तब फायदा मिला जब सुखजीत ने अभिषेक को पास दिया, जिन्होंने 41वें मिनट में दौड़ते हुए गोल दाग दिया। भारत को तीसरे क्वार्टर के आखिर में लगातार चार पेनल्टी कॉर्नर मिले। इनमें से एक पर राज कुमार पाल ने रिबाउंड पर गोल किया और टीम की बढ़त को 6-1 कर दिया। अंतिम क्वार्टर में भारत ने रक्षापंक्ति में अनुशासन बनाए रखा और साथ ही आक्रमण जारी रखा।

अंडर-15 एशियन कुश्ती प्रतियोगिता में देश के खिलाड़ियों ने 5 पदक जीते

रोहतक। अंडर-15 एशियन कुश्ती प्रतियोगिता में देश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो पदक जीते। शनिवार को ग्रीको रोमन शैली के मुकाबले खेले गए। यह प्रतियोगिता 27 जून से 5 जुलाई तक थाईलैंड में आयोजित की जाएगी। इसमें भारत ने एक स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य सहित कुल 5 पदक हासिल किए। 62 किलोग्राम भार वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए, दर्पण चौधरी ने फाइनल में ताजिकिस्तान के अमरिदीन कुरबोनोव पर 5-0 से आसान जीत दर्ज कर भारत के लिए दिन का एकमात्र स्वर्ण पदक हासिल किया। यश (48 किलोग्राम) और जतिन (85 किलोग्राम) को कजाकिस्तान के रोलन किम और येराली मुरातोव से अपने-अपने फाइनल में 0-8 के समान अंतर से हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इस बीच, परयास धौंचक ने 57 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया, उन्होंने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर तुर्कमेनिस्तान के मुहम्मद उलुगबेकोव को 8-0 से हराया। 75 किलोग्राम में गौरव ने रजत पदक जीता। अन्य तीन भारतीय पहलवान, सौरभ (38 कि.ग्रा.), राजवीर सिंह (44 कि.ग्रा.) और तुषार खोखर (52 कि.ग्रा.) अपने-अपने कांस्य पदक के प्लेऑफ में हार गए और पांचवें स्थान पर रहे।

नेशनल बॉक्सिंग : प्रणव, माही, कनिष्का, वंश, कुनाल और शिया सेमीफाइनल में

रोहतक। पंजाब की एलपीयू यूनिवर्सिटी में खेली जा रही नेशनल अंडर-15 बॉक्सिंग प्रतियोगिता में हरियाणा के मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में हरियाणा के खिलाड़ियों ने रिंग में अपनी तकनीक और ताकत का लोहा मनवाते हुए धमाकेदार अंदाज में सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता 29 जून तक आयोजित की जाएगी।

ये रहे परिणाम

पुरुष वर्ग

▶▶| 35 किलोग्राम में हरियाणा के प्रणव ने एसएससीबी के रोहित को 3-2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

▶▶| 37 किलोग्राम में वंश ने हरियाणा के वंश ने पुदुचेरी के संतोष कुमार को 5-0 से हराया। -43 किलोग्राम में हरियाणा के कुनाल ने महाराष्ट्र के समर्थ को 5-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

महिला वर्ग

▶▶| 35 किलोग्राम में हरियाणा की जिया ने असम की उपासना को 5-0, 40 किलोग्राम में हरियाणा की सोनिया ने तमिलनाडु की एबीआई पी को 5-0 हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

▶▶| 43 किलोग्राम में हरियाणा की तंवी ने असम की मायाश्री को हराया।

▶▶| 49 किलोग्राम में हरियाणा की शिया ने पंजाब की अनुरीत को हराया।

▶▶| 52 किलोग्राम में हरियाणा की कनिष्का ने तेलंगाना की वेधाक्षरी को 5-0 से दी मात।

▶▶| 64 किलोग्राम में हरियाणा की माही ने मध्यप्रदेश की प्रियांशी को 5-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

हरियाणा मुक्केबाजी का पावरहाउस

हरियाणा बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधु ने खिलाड़ियों और उनके कोचों को बधाई दी। उन्होंने कहा हमारे अंडर-15 के इन नन्हे मुक्केबाजों ने राष्ट्रीय मंच पर जो खेल दिखाया है, वह बेहद गर्व की बात है। अधिकांश मुकाबलों में 5-0 का एकतरफा स्कोर यह दर्शाता है कि हमारे खिलाड़ियों की ट्रेनिंग और तकनीक का स्तर कितना ऊंचा है। हरियाणा हमेशा से भारतीय मुक्केबाजी का पावरहाउस रहा है, और जूनियर स्तर पर मिल रही यह सफलता यह सुनिश्चित करती है कि हमारा भविष्य सुरक्षित हाथों में है। संघ का हमेशा प्रयास रहता है कि जमीनी स्तर (ग्रासरूट) पर खिलाड़ियों को सही इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रतियोगिताएं मिलें। मुझे पूरा विश्वास है कि सेमीफाइनल और फाइनल में भी हमारे खिलाड़ी इसी जोश के साथ उतरेंगे और स्वर्ण पदकों के साथ प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने इससे पहले 2015 में सेशेल्स की यात्रा की थी, जबकि राष्ट्रपति हर्मिनी इसी साल भारत आए थे। **मोदी ने छह एम्बुलेंस, 10 यूटिलिटी वाहन और पांच लेज़र रेडियल नौकाएं भी सौंपीं, जो सेशेल्स के विकास और सुरक्षा में और योगदान देंगी।**

प्रधानमंत्री का तीन दिवसीय दौरा *'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया*

पीएम मोदी सेशेल्स पहुंचे, भारत निर्मित गश्ती युद्ध पोत सौंपा

◆ पीएम सेशेल्स की नेशनल असेंबली को भी संबोधित करेंगे

एजेंसी ▶▶ विक्टोरिया

पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर सेशेल्स पहुँचे, और उसके तटरक्षक बल को 'मेड इन इंडिया' त्वरित गश्ती पोत सौंपने के साथ ही द्वीपीय राष्ट्र की समुद्री सुरक्षा क्षमताओं को मज़बूत करने के लिए नयी दिल्ली की प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सेशेल्स तटरक्षक बल को त्वरित गश्ती पोत 'लेस्पवार' सौंपना, रक्षा और समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में भारत तथा सेशेल्स की बढ़ती साझेदारी में एक और अहम पड़ाव है।

राजनयिक संबंधों के 50 साल पूरे

राजधानी विक्टोरिया में पीएम मोदी को औपचारिक 'गार्ड ऑफ ऑनर' भी दिया गया। पीएम मोदी 29 जून को सेशेल्स के 50वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि भी होंगे। पीएम सेशेल्स की नेशनल असेंबली को भी संबोधित करेंगे और भारतीय समुदाय के लोगों से बातचीत करेंगे। इस साल भारत और सेशेल्स के बीच राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं। दोनों देशों के संबंध आपसी विश्वास, लोकतांत्रिक मूल्यों, विविधता के सम्मान और लोगों के गहरे जुड़ाव पर आधारित हैं। दोनों देश हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा, समृद्धि और विकास को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करेंगे।

हिंद महासागर में करीबी दोस्त

पीएम मोदी ने सेशेल्स पहुंचने पर एक पोस्ट में कहा कि सेशेल्स पहुंच गया हूं। एयरपोर्ट पर डॉ. पैट्रिक हर्मिनी द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत की मैं बहुत सराहना करता हूं। उन्होंने कहा कि सेशेल्स हिंद महासागर में एक अहम समुद्री पार्टनर और करीबी दोस्त है। मैं इस दौरे को लेकर उत्साहित हूं, जिसका मकसद हमारे पुराने रिश्तों को और मजबूत करना और दोनों देशों के लोगों के फायदे के लिए सहयोग बढ़ाना है।

भारतीय समुदाय ने किया स्वागत

सेशेल्स एयरपोर्ट पर पीएम मोदी के स्वागत के लिए भारतीय समुदाय के लोग मौजूद रहे। पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की और एक्स पर कहा कि ये सेशेल्स एयरपोर्ट पर हुए शानदार स्वागत की कुछ झलकियां हैं।

नेशनल बोटैनिकल गार्डन गए

पीएम मोदी ने सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के साथ एक कार में सफर के दौरान की तस्वीर भी शेयर की। उन्होंने लिखा कि राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के साथ सेशेल्स के नेशनल बॉटनिकल गार्डन जाते हुए। दोनों नेताओं ने नेशनल बोटैनिकल गार्डन में एल्डाब्रा जाइंट कछुओं को पत्तियां खिलाईं।

कच्छ के नृत्य की प्रस्तुति

पीएम मोदी के स्वागत के लिए कच्छ का नृत्य प्रस्तुत किया गया। पीएम मोदी ने लिखा कि शानदार सांस्कृतिक जुड़ाव! सेशेल्स में एयरपोर्ट पर स्वागत के दौरान कच्छ का नृत्य भी शामिल था।

खबर संक्षेप

कश्मीर में दौड़ेंगी 100 नई इलेक्ट्रिक बसें

श्रीनगर। बहुत जल्द श्रीनगर स्मार्ट सिटी की सड़कों पर और अधिक स्मार्ट सिटी बसें दौड़ेंगी। श्रीनगर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने कहा कि केंद्र सरकार की पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत श्रीनगर के लिए मंजूर की गई 100 नई इलेक्ट्रिक बसें इस साल अक्टूबर-नवंबर में कश्मीर पहुंचने की उम्मीद है। एक अधिकारी ने बताया कि बसों को खरीदने की प्रक्रिया अभी चल रही है। पहला बैच इस साल अक्टूबर-नवंबर में आ जाएगा। टेंडरिंग की प्रक्रिया और अन्य औपचारिकताएं आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा पूरी की जा रही हैं।

तीन माह के बेटे संग बैठक में पहुंची स्वीडन की मंत्री

लक्जमबर्ग। स्वीडन की मंत्री रोमिना पोरमोख्तारी अपने तीन महीने के बेटे एडम को गोद में लेकर यूरोपीय संघ के जलवायु मंत्रियों की बैठक में पहुंचीं। यूरोपीय यूनियन की बैठक में पहली बार ऐसा देखने को मिला, जब इतना नन्हा मेहमान इसका हिस्सा बना। रोमिना ने कहा कि मैंने जानबूझकर ऐसा किया, ताकि यह संदेश दिया जा सके कि मां बनने का मतलब यह नहीं कि किसी महिला का कॅरिअर रुक जाए। 30 साल की पोरमोख्तारी वर्ष 2022 में पद संभालने के समय स्वीडन की सबसे कम उम्र की मंत्री थीं।

लंदन में एशिया हाउस और दुनिया की प्रमुख कंपनियों से मिले केंद्रीय मंत्री गोयल

भारत-यूके सीईटीए को बताया आर्थिक साझेदारी का आधार, निवेश के कई सुनहरे अवसर खुलेंगे

एजेंसी ▶▶ लंदन

पीयूष गोयल ने भारत के मजबूत मैन्युफैक्चरिंग ईकोसिस्टम और विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध निवेश के अवसरों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि भारत-यूके व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) दोनों देशों की रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को नई मजबूती देगा

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि उन्होंने एशिया हाउस और दुनिया की प्रमुख कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उपयोगी गोलमेज बैठक की, जिसमें भारत-यूके आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने और भविष्य के अवसरों पर विस्तार से चर्चा हुई।

उन्होंने कहा कि भारत के मजबूत विनिर्माण ईकोसिस्टम और विभिन्न क्षेत्रों में मौजूद अपार अवसर वैश्विक निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं। पीयूष गोयल ने 'एक्स' पर कहा कि बैठक के दौरान भारत के मजबूत विनिर्माण ईकोसिस्टम और विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध निवेश के अवसरों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि भारत-यूके व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) दोनों देशों की रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को नई मजबूती देगा।

भारत-ब्रिटेन सीईटीए भारत का अब तक का सबसे बड़ा मुक्त व्यापार समझौता

पीयूष गोयल यूकेआईबीसी सदस्यों के साथ चर्चा करते हुए

यूकेआईबीसी के साथ निवेश पर चर्चा

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने यूके-इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूकेआईबीसी) के सदस्यों के साथ एक इंटरैक्टिव लंच बैठक भी की। दुनिया की प्रमुख कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ भारत-यूके आर्थिक सहयोग, निवेश बढ़ाने और नए कारोबारी अवसरों पर चर्चा की। सहयोग को और गहरा कर भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

देशभर में 1,000 सलाहकार होंगे तैनात

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने देशभर में 1,000 सलाहकार कर्मियों की तैनाती और व्यापार पोर्टल को उन्नत बनाने की घोषणा की, ताकि उद्योग जगत भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) का अधिकतम लाभ उठा सके। उन्होंने कहा कि 15 जुलाई, 2026 से लागू होने वाला यह समझौता भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार एवं निवेश के नए अवसर खोलेगा। लंदन में आयोजित 10वें वार्षिक ब्रिटेन-भारत सप्ताह के दौरान विभिन्न बैठकों और कार्यक्रमों में भाग लेते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-ब्रिटेन सीईटीए भारत का अब तक का सबसे बड़ा मुक्त व्यापार समझौता है। उन्होंने बताया कि इससे दोनों देशों के बीच वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार में 25.5 अरब जीबीपी (ग्रेट ब्रिटिश पाउंड) की वृद्धि होने का अनुमान है।

शिक्षा और नवाचार पर जोर

पीयूष गोयल ने लंदन बिजनेस स्कूल में फैकल्टी, छात्रों, पूर्व छात्रों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को संबोधित किया। उन्होंने एक विशेष फायरसाइड चैट में भी हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि भारत और ब्रिटेन के संबंधों को मजबूत बनाने में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। छात्र, पेशेवर और उद्यमी दोनों देशों के बीच सहयोग, नवाचार और लोगों के बीच संबंधों को और सशक्त बना सकते हैं।

ब्रांड इंडिया को वैश्विक स्तर पर मजबूत बनाने का आह्वान

पीयूष गोयल ने कहा कि दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत विश्वास, प्रतिभा, समावेशी विकास और स्थिरता का प्रतीक बन चुका है। उन्होंने उद्योग जगत से ब्रांड इंडिया को वैश्विक स्तर पर मजबूती से प्रस्तुत करने, अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों को अपनाने और ब्रिटेन के साथ दीर्घकालिक व्यापार एवं निवेश साझेदारियां विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारतीय उद्यम देश के दीर्घकालिक आर्थिक विकास लक्ष्यों को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

यूएस विदेश मंत्री रुबियो ने की पुष्टि

जल्द आएंगे राष्ट्रपति ट्रंप समझौता अंतिम चरण में

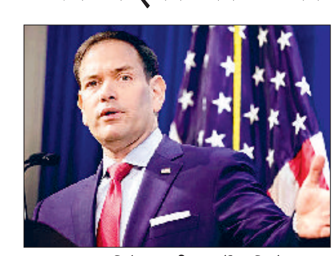
यूएस विदेश मंत्री मार्को रुबियो

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जल्द भारत का दौरा करेंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इसकी पुष्टि की है। रुबियो ने बताया कि वे खुद ट्रंप के भारत के ऐतिहासिक दौरे की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं और इसके लिए वे जल्द भारत आएंगे। रुबियो ने बताया कि ट्रंप प्रशासन अगले साल की शुरुआत में राष्ट्रपति ट्रंप के भारत दौरे की तैयारियां कर रहा है। यह भारत और अमेरिका के रिश्तों में बढ़ती नजदीकी को रेखांकित करता है, क्योंकि दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब हैं। रुबियो ने कहा, मैं साल के अंत में राष्ट्रपति ट्रंप के दौरे की तैयारियों के सिलसिले में भारत की यात्रा करूंगा। भारत-अमेरिका के संबंधों को लेकर रुबियो ने कहा कि दोनों देशों के संबंध मजबूत स्थिति में हैं।

भारत अमेरिका का करीबी सहयोगी

अमेरिकी विदेश मंत्री ने ये भी कहा कि क्वाड बैठक पर भी जल्द बातचीत हो सकती है। रुबियो ने भारत को अमेरिका का सबसे करीबी सहयोगी बताया। उन्होंने कहा कि भारत, अमेरिका का करीबी सहयोगी है और पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के रिश्ते भी बहुत अच्छे हैं, जो मुझे लगता है कि कूटनीति में बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। रुबियो ने कहा है कि भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए अच्छी स्थिति में है, क्योंकि दोनों देश अपनी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा कर रहे हैं। उन्होंने भारत की ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने की रणनीति का समर्थन करते हुए कहा कि भारत और अमेरिका के बीच ऊर्जा क्षेत्र में गहरा सहयोग दोनों देशों की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा को और मजबूत कर सकता है।

पीएम मोदी बेहद ऊर्जावान: गोर

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच करीबी कार्य संबंधों की भी तारीफ करते हुए इसे द्विपक्षीय संबंधों की मजबूत नींव बताया। पीएम मोदी के बारे में गोर ने कहा कि वे बेहद ऊर्जावान हैं, हर काम में व्यक्तिगत रूप से रुचि लेते हैं और परिणाम देने पर जोर देते हैं। मुझे उनमें और राष्ट्रपति ट्रंप में कई समानताएं दिखाई देती हैं, क्योंकि दोनों ही खुद नेतृत्व करते हुए काम पूरा कराने में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों की सोच काफी हद तक एक जैसी है और दोनों परिणाम देना चाहते हैं।

जिनेवा में पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन

पीओजेके में मानवाधिकार उल्लंघन का आरोप, यूएन से हस्तक्षेप की मांग

एजेंसी ▶▶ जिनेवा

पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में कथित मानवाधिकार उल्लंघनों के खिलाफ यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मुख्यालय के बाहर स्थित 'ब्रोकन चेयर' स्मारक पर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 62वें सत्र के दौरान आयोजित किया गया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान की सेना और सुरक्षा बल पीओजेके में लोगों पर दमन कर रहे हैं। यूकेपीएनपी के नेताओं जमील मकसूद और अमजद यूसुफ ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पर दबाव बनाया जाए ताकि वह अपनी सुरक्षा बलों को क्षेत्र से हटाए और रावलाकोट में जारी घेराबंदी खत्म करे। आयोजकों ने नागरिकों के खिलाफ बल प्रयोग और शांतिपूर्ण विरोध को दबाने के आरोपों की स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जांच कराने की मांग भी की।

पीओके पीएम की पाक रक्षा मंत्री को दो टूक

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा था कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के रावलकोट और मीरपुर के निवासी असली कश्मीरी नहीं हैं। उनके इस बयान की पीओके के पीएम फैसल मुमताज राठौर ने कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को अपनी पहचान के लिए पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ या किसी और से पुष्टि की जरूरत नहीं है। आप जैसे बूमर्स (पुरानी सोच वाले लोग) और उनकी हरकतें लोगों को करीब लाने के बजाय उनमें फूट डाल रही हैं।

भारत अग्रणी प्रौद्योगिकी देश बन रहा

एआई, परमाणु और अंतरिक्ष में अनुसंधान से तय होगा भविष्य

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा पीएम कार्यालय में कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), परमाणु, अंतरिक्ष और क्वांटम प्रौद्योगिकियां भविष्य के विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की रूपरेखा तय करेंगी। उन्होंने कहा कि भारत इन अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों में तेजी से अग्रणी देशों की कतार में शामिल हो रहा है। 2023 में शुरू किए गए राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (एनक्यूएम) ने तीन वर्षों के भीतर अपने निर्धारित लक्ष्यों में से आधे से अधिक हासिल कर लिए हैं।

भारत क्वांटम-सुरक्षित संचार, क्वांटम कंप्यूटिंग और संबंधित अनुसंधान क्षेत्रों में तेज गति से आगे बढ़ रहा है। क्वांटम-सुरक्षित संचार रक्षा, रणनीतिक संचार, साइबर सुरक्षा और संवेदनशील सूचनाओं की सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा।

डॉ. सिंह ने कहा कि अंतरिक्ष, परमाणु और क्वांटम प्रौद्योगिकियां भविष्य की वैश्विक व्यवस्था, आर्थिक विकास, रणनीतिक शक्ति और भू-राजनीतिक स्थिति को प्रभावित करेंगी। जो देश इन क्षेत्रों में पीछे रह जाएंगे, उन्हें विकास और सुरक्षा दोनों मोर्चों पर नुकसान उठाना पड़ सकता है।

बाल्टीमोर पहुंचा आईएनएस सुदर्शनी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना का नौकायन प्रशिक्षण पोत आईएनएस सुदर्शनी ऐतिहासिक समुद्री अभियान 'लोकायन-26' के तहत 26 जून को अमेरिका के मैरीलैंड स्थित बाल्टीमोर बंदरगाह पहुंचा। नॉरफ़ॉक से बाल्टीमोर तक की यात्रा के दौरान पोत ऐतिहासिक चेसापीक एवं डेलावेयर (सीएंडडी) नहर और मध्य-अटलांटिक क्षेत्र के प्रमुख पुलों के नीचे से होकर गुजरा। बाल्टीमोर यात्रा भारत की समृद्ध समुद्री विरासत और भारतीय नौसेना तथा अमेरिकी नौसेना के बीच मजबूत मित्रता एवं सहयोग का प्रतीक मानी जा रही है। इस दौरान पोत अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले 'सेल250 मैरीलैंड' समारोह से पहले विभिन्न समुद्री और सामुदायिक संपर्क कार्यक्रमों में हिस्सा लेगा। बाल्टीमोर पहुंचने से पहले आईएनएस सुदर्शनी ने 19 से 23 जून 2026 तक नॉरफ़ॉक में आयोजित 'सेल250 वर्जीनिया' समारोह में भाग लिया था। इस दौरान पोत ने दुनिया के विभिन्न देशों के बड़े जहाजों के साथ 'परेड ऑफ सेल' और 'सिटी क्रू परेड' में भारत का प्रतिनिधित्व किया। आईएनएस सुदर्शनी ने कोच्चि से नॉरफ़ॉक तक पांच महीनों में 13,000 समुद्री मील से अधिक की दूरी तय की है। यह समुद्री अभियान भारत की समृद्ध समुद्री परंपराओं और 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना को प्रदर्शित करता है। इस अभियान का उद्देश्य महासागरों के पार मित्रता, सहयोग और आपसी विश्वास को और मजबूत करना है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2026-28